A Daily News Magazine
भोपाल
सोमवार, 10 मार्च, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 182, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

महज 'स्लीपर सेल' उखाड़ने से कांग्रेस दुरूस्त नहीं होगी...

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

गुजरात में कांग्रेस के अपने ही संगठनात्मक ढांचे पर राहुल गांधी का प्रहार इस बात की तस्दीक है कि सिर्फ गुजरात में ही नहीं, ऊपर से नीचे तक कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। कांग्रेस में भाजपा के 'स्लीपर सेल' की शिकायतों के बीच गुजरात के कतिपय नेताओं के बारे में राहुल गांधी का ये 'ऑब्जर्वेशन' उस सियासी मर्ज का खुलासा या इकरार है, जिसका इलाज करने में कांग्रेस नेतृत्व असमर्थ रहा है। स्लीपर-सेल के रूप में भाजपा के दिशा-निर्देशों के आधार पर कांग्रेस की जड़ें खोदने का काम सभी राज्यों में सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। कांग्रेस नेतृत्व बखूबी इन तत्वों से वाकिफ है, लेकिन इन लोगों का बाल बांका भी नहीं हो पाता है।

गौरतलब है कि राहुल गांधी 8 और 9 अप्रेल को अहमदाबाद, गुजरात में होने वाले कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के तैयारियों के संदर्भ में 7-8 मार्च को अहमदाबाद पहुंचे थे। यह दौरा 2022 के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद गुजरात में कांग्रेस के पुनर्निर्माण की कवायद का हिस्सा भी है। कांग्रेस अभी भी हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा-चुनाव में हार की हताशा से उबरने की कोशिश कर रही है। इंडिया गठबंधन के बिखराव की खबरों के बीच कांग्रेस खुद को समेटने और हार के कारणों की विवेचना में जुटी है।

बहरहाल, कांग्रेस में हमेशा ही हार की विवेचनाओं के तथ्यपरक निष्कर्ष अथवा रणनीति में सुधार के कारण तो कदाचित ही सामने आते हैं, लेकिन दलीय गुटबंदी, तोड़फोड़, ईवीएम जैसी शिकायतों के बीच कांग्रेस में भाजपा के स्लीपर सेल के कहानी-किस्से बहुतायत में सुनाई पड़ने लगते हैं। इन दिनों स्लीपर-सेल चुनाव में कांग्रेस की हार का प्रमुख औजार माने जाने लगे हैं।

अपराध शास्त्र में स्लीपर सेल की परिभाषा काफी अलग है, लेकिन सियासत में चुनाव में ऐन वक्त सेबोटेज करने वाले या दल-बदल करने वाले नेताओं को स्लीपर सेल की श्रेणी मे रखा जाता है। सत्ता का सुख भोग चुके ऐसे घोटालेबाज अथवा गुटीय ठेकेदार कांग्रेस नेताओं के सत्तारूढ़ भाजपा से मिलीभगत के किस्से भी चलते रहते हैं, जो जांच से बचने के लिए स्लीपर-सेल का काम करते हैं। ये लोग संघठन में नए कार्यकर्ताओं की जमीन खोदने वाले भी माने जाते हैं। वैसे ऐसे लोग भाजपा में भी पाए जाते हैं, लेकिन वो इसका रोना रोते कभी भी नजर नहीं आती है।

अहमदाबाद में स्थानीय कांग्रेस के पदाधिकारियों के संबोधन में राहुल गांधी का इशारा इन्ही लोगों की तरफ था। राहुल के संबोधन पर जमीनी कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया और छलकने वाली ऊर्जा जबरदस्त थी। वह इस बात की भी पुष्टि करती है कि आम कार्यकर्ता स्लीपर सेल नेताओं से परेशान है। राहुल गांधी ने गुजरात इकाई के कतिपय नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि कांग्रेस मे रह कर गुप्त रूप से भाजपा काम करने वाले तत्वों को अपनी हरकतों से बाज आना चाहिए।

यदि गुजरात में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए ऐसे 30-40 नेताओं को कांग्रेस से निकालने की जरूरत हुई तो हाइकमान ऐसे कदम उठाने में हिचक महसूस नहीं करेगा। हम एक उदारहण स्थापित करने के लिए यह कदम उठाने को तैयार हैं। राहुल ने कहा कि बीते तीस सालों में कांग्रेस गुजरात के लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने असमर्थ रही है, क्योंकि कांग्रेस नेताओं का एक वर्ग भाजपा की मिलीभगत से काम करता रहा है। ऐसे लोगों को बाहर का रास्ता दिखाने के बाद ही गुजरात की जनता में कांग्रेस के प्रति भरोसा बढ़ सकेगा।

गुजरात कांग्रेस में नेताओं की बीमारी का यह मसला राहुल गांधी का पहला खुलासा नहीं है। राहुल गांधी अपनी अथवा कांग्रेस की सियासी कमजोरियों और असफलताओं को मंजूर करने के मामलों में हमेशा से पारदर्शी हैं। उन्हें अपनी गलती कबूल करने में कभी कोई दिक्कत नहीं होती है। इसके पहले भी वो कांग्रेस की असफलताओं की बेबाक मीमांसा करते रहे हैं। सितम्बर 2017 में कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में उन्होने स्वीकार किया था कि यूपीए-2 के शासनकाल में उनकी पार्टी अहंकार से ग्रसित हो गई थी। लोगों से संवाद करना बंद कर दिया था। 2004 के पुराने दृष्टि-पत्र को लेकर ही वह 2011-12 में जनता का विश्वास जीतना चाहती थी। वो यह समझने में असमर्थ रही कि वो पुराना और बेमतलब हो चुका है।

वंशवाद के मुद्दे पर उन्होने कहा था कि भारत में सभी व्यवसायों में यही चलता है। इसी भाषण में राहुल ने यह भी कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अच्छे संचारक हैं। लेकिन राहुल गांधी कांग्रेस संगठन की कमजोरियां अथवा बीमारियां जितनी शिद्दत से पहचान लेते हैं, उतनी शिद्दत उसका इलाज करने मे हमेशा असफल रहे हैं। कांग्रेस की राहों पर रेतीले टीलों का यह फसाना दिलचस्प है, जो कहीं भी, कभी भी मन-मुआफिक आंधियां पैदा कर रास्तों को भटका देते हैं।

इसके साथ ही यह भी सोचना होगा कि गुजरात के बहाने राहुल गांधी कांग्रेस के जिन संगठनात्मक मुद्दों को एड्रेस कर रहे हैं, वो सिक्के का एक पहलू है। कांग्रेस के प्रति लोगों के विश्वास में कमी महज पुराने नेताओं की अकर्मण्यता और बेईमानी तक सीमित नहीं है। इसके अन्य कारण भी है। जनता की नब्ज को पहचानना और उसके अनुसार आचरण करना हर सियासी पार्टी की पहली जरूरत होती है। राहुल गांधी को सोचना होगा कि इंडिया गठबंधन की सैद्धांतिक धुरी को मजबूत करने की जिम्मेदारी किसकी है? 'भारत जोड़ो यात्रा' की बदौलत मिली सियासी गतिशीलता टूटने के सबब क्या हैं? आम जनता से संवाद करने के पैमानों मे तो कोई खोट नहीं है?

राजनीति में नेतृत्व की दक्षता और गतिशीलता हर वक्त कसौटी पर होती है। कांग्रेस नेतृत्व को यह सोचना होगा कि क्या कांग्रेस में सभी वरिष्ठ नेता इतने नाकारा है कि उनसे कोई काम ही नहीं लिया जा सकता है ? शशि थरूर जैसे बौद्धिक प्रतिभा से प्रतिष्ठित नेता कांग्रेस में खुद को हाशिए पर क्यों महसूस कर रहे हैं? कांग्रेस में जन आंदोलन के मुद्दों के चयन में एकरूपता और मतैक्यता क्यों नहीं महसूस होती है ? सार्वजनिक जीवन में लोगों के बीच हर मुद्दे की एक उमर होती है? राहुल गांधी को सोचना होगा कि उनके व्दारा उठाए जाने वाले मुद्दों की मियाद खत्म तो नहीं हो चुकी है? अडानी-अंबानी जैसे मुद्दे कहीं 'एक्सपायरी' तो नहीं हो चुके हैं?

सुप्रभात

पढ़ते-पढ़ते रख दिया
होकर के बे-ध्यान
भर्तृहरि के शतक पर
ग़ालिब का दीवान।

मीर रखे ऋग्वेद पर
कालिदास पर भास
अमरसिंघ के कोश पर
काली जंगली घास।

नयन निराला देखते
मुक्तिबोध की ओर
मुक्तिबोध बीड़ी पिएं
धुआँ-धार-घनघोर।

तभी अचानक खिल उठे
सरहप्पा के फूल
मेरी क्या औक़ात थी
मैं था उड़ती धूल।

- कृष्ण कल्पित

झाबुआ में बनेगा मेडिकल कॉलेज : सीएम यादव

मरीजों को एयर लिफ्ट किया जाएगा, बड़वानी में रोड शो

झाबुआ/बड़वानी (नप्र)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भोंगर्या हाट उत्सव में शामिल होने बड़वानी के पानसेमल पहुंचे हैं। यहां चिखल्दा हैलीपैड पर पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद सुमेरसिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, अजजा आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंतरसिंह आर्य, विधायक श्याम बर्डे, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय यादव समेत अन्य नेताओं ने सीएम की अगवानी की।

सीएम पहले विधायक श्याम बर्डे के घर पहुंचे। यहां आदिवासी वेशभूषा पहनी। इसके बाद रोड शो किया। यहां से बस स्टैंड पर स्थित सभा स्थल पहुंचे हैं। सीएम ने ढोल मांदल बजाने वाले दलों को पांच हजार रुपए देने की घोषणा की। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बड़वानी के पानसेमल में आदिवासी वेशभूषा पहनकर रोड शो भी किया।

इससे पहले, सीएम झाबुआ पहुंचे। यहां उन्होंने स्व. पूर्व सांसद दिलीप सिंह भूरिया की प्रतिमा का माल्यार्पण किया।

सर्वे कर सभी को पक्का मकान मिलेगा

सीएम ने कहा कि आने वाले समय में सभी को स्थाई बिजली कनेक्शन मिलेगा। 5 रुपए में कनेक्शन दिया जाएगा। पक्की सड़क देने का काम भी किया जाएगा। जिनके मकान पक्के हो गए, प्रधानमंत्री आवास के लिए दोबारा सर्वे किया जाएगा। सभी को पक्के मकान दिए जाएंगे। पक्की सड़क देने का काम भी किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास के लिए दोबारा सर्वे कराकर पक्के मकान दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 2600 रुपए क्विंटल गेहूं खरीदा जाएगा। झाबुआ में प्राइवेट अस्पताल खोलने पर 20 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। आयुष्मान कार्ड से मरीज को एयर लिफ्ट की सुविधा भी दी जाएगी। सीएम ने कहा कि दूध खरीदने पर भी 5 रुपए का बोनस मिलेगा।

टीम इंडिया ने 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीती

न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, रोहित की कप्तानी में 9 महीने में दूसरा आईसीसी खिताब

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंडिया ने 252 का टारगेट 49 ओवर में चेज कर लिया। 9 महीने में बतौर कप्तान रोहित शर्मा का यह दूसरा आईसीसी खिताब है। उन्होंने पिछले साल 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप भी जिताया था।

रोहित शर्मा ने खेली कप्तानी पारी – रोहित शर्मा ने कप्तानी पारी खेली और 76 रन बनाए।रन चेज में श्रेयस (48 रन), केएल राहुल (नाबाद 34 रन), अक्षर पटेल (29 रन) का अहम रोल रहा।

कुलदीप यादव के कहर के सामने न्यूजीलैंड चित– गेंदबाजी में सबसे बड़ा रोल रहा कुलदीप यादव का, जिन्होंने दो ओवर में लगातार 2 विकेट लेकर गेम इंडिया के पाले में ला दिया। उन्होंने रचिन रवींद्र और केन विलियम्सन को पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड से सबसे ज्यादा स्कोर डेरिल मिचेल (63 रन) का रहा।

जडेजा के चौके से जीता भारत– भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली है। रवींद्र जडेजा ने 49वां ओवर डाल रहे विलियम ओरूर्क की आखिरी बॉल पर चौका लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी और वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड – मिचेल सैंटनर (कप्तान), विल यंग, रचिन रवींद्र, केन विलियम्सन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम (विकेट कीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन और विलियम ओरूर्क।

मणिपुर में कुकी समूह के अनिश्चितकालीन बंद का दिखा मिला-जुला असर

तनाव के बीच शांति, सुरक्षा बल अलर्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में कुकी समूहों की ओर से सुरक्षा बलों की कार्रवाई के खिलाफ लागू किए गए अनिश्चितकालीन बंद का मिलाजुला असर नजर आया। राज्य के कुकी बहुल इलाकों में तनावपूर्ण शांति रही। वहीं कुछ जिलों में कुकी प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया। वहीं बंद को देखते हुए सुरक्षा बल अलर्ट मोड पर रहे। चूराचंदपुर और टेंग्नौपाल जिलों के कुकी बहुल इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए और पत्थरों से सड़कें जाम कर दीं। जिन्हें सुरक्षा बलों ने हटाया।

कुकी बहुल इलाकों में दुकानें बंद रहीं और यहां आंदोलनकारी लोगों से घरों के अंदर रहने के लिए कहते नजर आए। अफसरों ने बताया कि एनएच-2 (इंफाल-दीमापुर रोड) पर गमघीफाई और जिले के अन्य हिस्सों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाहनों की गश्त की जा रही है।

आईटीएलएफ ने कुकी जो काउंसिल द्वारा बुलाए गए अनिश्चितकालीन बंद को समर्थन दिया। इस बंद का उद्देश्य राज्य में सभी सड़कों पर मुक्त आवाजाही का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई का विरोध करना था। आईटीएलएफ ने कहा कि कुकी-जो क्षेत्रों के माध्यम से मैतेई लोगों की आवाजाही की अनुमति देने के भारत सरकार के फैसले से कांगपोकपी में आंदोलन और विरोध हुआ। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल का प्रयोग किया।

समय सीमा में सशर्त करना होगा रोड कटिंग का कार्य

मप्र ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण ने बनाई पॉलिसी

अंबुज माहेश्वरी

भोपाल। रोड कटिंग का कार्य अब किसी भी विभाग या एजेंसी को समय-सीमा में निर्धारित शर्तों के साथ पूरा करना पड़ेगा। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित पहुँच मार्गों पर अतिआवश्यक सेवाएं जैसे जल-मल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन, सीवेज लाइन, गैस डिस्ट्रीब्यूशन लाइन, केवल लाइन सहित रेल लाइन और आरओबी कैनाल क्रासिंग करने की अनुमति के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। रोड कटिंग की अनुमति प्रदान करने संबंधित पीआईयू के महाप्रबंधक को अधिकृत किया गया है।

अब रोड कटिंग कार्य के लिए संबंधित एजेंसी को लेइंग प्लानिंग और वर्क प्लान के साथ महाप्रबंधक कार्यालय में आवेदन और साथ ही रोड रिस्टोरेशन का विकल्प चयनित करना होगा।

यह होगी प्रक्रिया– विकल्प एक में रिस्टोरेशन का कार्य रोड कटिंग अनुमति प्राप्त करने वाली जेन्सी द्वारा स्वयं किये जाने की सहमति दी जाएगी। जबकि विकल्प दो से यह तय होगा कि यह कार्य वे प्राधिकरण से कराये जाने हेतु सहमत हैं।

एजेंसी अगर विकल्प एक चुनती है तो प्रक्रिया के आधार पर आकलित रिस्टोरेशन की लागत के बराबर राशि की परफॉरमेन्स सिक्योरिटी, बैंक गारण्टी के रूप में एवं 06 प्रतिशत नॉन रिफंडेबल सुपरविजन चार्ज प्राधिकरण के खाते में आवेदन के साथ जमा करना होगा। इतना ही नहीं आवेदन के साथ दिए जाने वाले वर्क प्रोग्राम के अनुसार अनुमति प्राप्त होने के 1 माह के भीतर किये जाने वाले लेयिंग कार्य का रिस्टोरेशन करने पर आने वाली लागत के बराबर राशि की परफॉर्मेंस सिक्योरिटी बैंक गारंटी के रूप में जमा करनी होगी। रिस्टोरेशन कार्य पूर्ण होने पर और गुणवत्ता परीक्षण में किया गया रिस्टोरेशन कार्य मापदण्ड अनुसार पाये जाने पर जमा बैंक गारण्टी की राशि की सीमा तक आगामी लंबाई में लेयिंग कार्य किये जाने हेतु मान्य कर दी जाएगी।

नियमों का करना होगा पालन– संबंधित एजेंसी को लेइंग कार्य प्रारंभ करने की सूचना लिखित या ई-मेल के माध्यम से पीआईयू के उपयंत्री, सहायक प्रबंधक, महाप्रबंधक को देगें और Restoration रिस्टोरेशन कार्य की साइट ऑर्डर बुक को निर्माण स्थल पर उपलब्ध कराएंगे। इकाई के इन्जीनियर्स कार्य प्रारंभ होने की सूचना प्राप्त होने पर रिस्टोरेशन का कार्य गुणवत्ता के अनुरूप करवाना सुनिश्चित करेंगे। महाप्रबंधक इकाई के इंजीनियर्स अगर इस कार्य में सहयोग नहीं करेंगे तो संबंधित इंजीनियर के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

एजेंसी बिना बताए अगर लेयिंग कार्य प्रारंभ करती है या फिर निरीक्षण के समय दिये गये निर्देशों का पालन नहीं करेगी तो महाप्रबंधक पीआईयू अनुमति के लिए जमा की गई परफॉर्मेंस सिक्योरिटी की बैंक गारंटी को राजसात कर सकेंगे और आगे शेष कार्य करवा पाएंगे।

विकल्प 2 में एसएसआर दर पर होगा कार्य

विकल्प 1 में जहां एजेंसी स्वयं कार्य करने की जिम्मेदारी लेगी वहीं विकल्प 2 में यह कार्य प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

इसमें संधारण हेतु नियुक्त संविदाकार द्वारा रोड रिस्टोरेशन करने की सहमति प्रदान करने पर रिस्टोरेशन का कार्य, रोड कटिंग अनुमति जारी दिनांक को मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अंतर्गत लागू एसएसआर दर पर कराने अधिकृत किया जाएगा। इसमें सामान्य प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित कर रोड रिस्टोरेशन का कार्य कराया जावेगा।

हमारा धर्म इंग्लैंड और अमेरिका जैसे देशों में भी...

कैलिफोर्निया के हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ पर भड़के स्वामी चक्रपाणि महाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने अमेरिका में कैलिफोर्निया के हिंदू मंदिर की बर्बरता की निंदा की। उन्होंने इसे अपराधिक तत्वों को स्थानीय सरकार की सुरक्षा प्राप्त होने का संकेत बताया और डोनाल्ड ट्रंप सरकार से कार्रवाई की मांग की। विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना की निंदा की और कड़े कदम उठाने की मांग की। कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ हुई है। हिंदू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। यह घटना रविवार को हुई। पिछले साल भी ऐसे ही मामले सामने आए थे।

कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स स्थित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के मंदिर में अज्ञात उपद्रवियों ने तोड़फोड़ की।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ सोमवार, 10 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

माँ नर्मदा के संपूर्ण परिक्रमा पथ को पवित्रता के साथ उसके मूल स्वरूप में स्थापित करने के लिए सरकार है दृढ़ संकल्पित : मुख्यमंत्री

प्रदेश में नर्मदा के संपूर्ण तट पर धार्मिक आयोजनों के लिए किया जाएगा घाट निर्माण

भोपाल/ओंकारेश्वर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को ओंकारेश्वर में ब्रह्मपुरी घाट पर आयोजित अमृतस्य मां नर्मदा पद परिक्रमा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने ब्रह्मपुरी घाट पर माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ओंकारेश्वर में भव्य ज्योतिर्लिंग मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्च माह के बाद चिंहित तीर्थ स्थलों पर शराब की दुकानों को बंद किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन के लिए जल महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जैसे जल संरचना नदी-तालाब के दर्शन मात्र से ही मन प्रसन्न हो जाता है। मानव शरीर में जिस प्रकार धमनियों में रक्त का प्रवाह होता है उसी प्रकार धरती पर नदियाँ बहती हैं इसलिए उन्हें पवित्र रखना ज़रूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा के संपूर्ण परिक्रमा पथ को पवित्रता के साथ उसके मूल स्वरूप में स्थापित करने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि नर्मदा परिक्रमा यात्रियों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था की जाएगी। प्रदेश में जहां भी नर्मदा तट हैं वहाँ आयोजनों के लिए घाट निर्माण किया जाएगा एवं यात्रियों की सुविधा के लिए साईनऐप लगायें जाएँगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, जिसमें माँ नर्मदा का स्थान सभी नदियों में सबसे अलग है। उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार स्वच्छता के माध्यम से विकास के कार्य को भी नए मुकाम तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केमिकल युक्त खेती करने से फसल का उत्पादन तो होता है, लेकिन जीवन में अनेक बीमारियां भी होती है, इससे बचने के लिए एक अभियान संचालित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक व जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए गौ-माता का पालन करना होगा, जिससे दूध के उत्पादन के साथ किसानों की आय भी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय त्यौहार भी शासकीय तौर पर मनाये जाएंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक किया। उन्होंने ओंकारेश्वर महादेव से प्रदेश की समृद्धि, विकास और कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पैदल पुल से ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री राव देवेंद्र सिंह चौहान सहित अन्य ट्रस्टी ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति प्रतीक चिन्ह स्वरूप भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्याओं एवं बटुकों को फल की टोकरी भेंट की। साथ ही उनके साथ बैठकर भोजन भी किया।

कार्यक्रम में श्रद्धेय गुरुदेव विवेक जी, श्री जोड़ गणपति हनुमान मंदिर ओंकारेश्वर के महंत मंगलदास जी त्यागी, महानिर्वाणी अखाड़ा ओंकारेश्वर के महंत कैलाश भारती, मार्कण्डेय संन्यास आश्रम ओंकारेश्वर के महंत श्री प्रणवानंद जी सरस्वती एवं निजानंद धाम खाचरोद के पूज्य श्री ब्रह्मचारी जी महाराज, खण्डवा विधायक श्रीमती कंचन तनवे, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, मान्धाता विधायक नारायण पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

तेलंगाना टनल हादसा

16वें दिन एक डेडबॉडी मिली

नागरकुर्नूल (एजेंसी)। तेलंगाना टनल हादसे के 16वें दिन रेस्क्यू टीम को पहला शव मिला है। बॉडी मशीन में फंसी हुई है। शव निकालने के लिए मशीन को काटने का काम जारी है। 7 मार्च को स्निफर डॉग्स (खोजी कुत्ते) को टनल में ले जाया गया था।

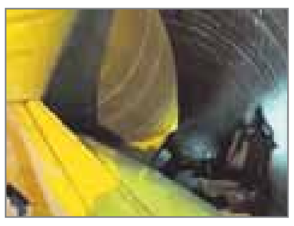

रेस्क्यू ऑफिसर ने बताया कि मशीन में फंसे शव के केवल हाथ दिखाई दे रहे थे। बीते दिन राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया था कि खोजी कुत्तों ने खास जगह पर तेज गंध का पता लगाया है। पता चला है कि वहां तीन लोग मौजूद हैं।

पानी टंकी की सफाई करते समय पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत

निर्माणाधीन इमारत में चल रहा था काम

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण मुंबई में रविवार को एक निर्माणाधीन इमारत में पानी की टंकी साफ करते समय पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना नागपाड़ा इलाके में डिमटीमकर रोड पर स्थित बिस्मिल्लाह स्पेस बिल्डिंग में अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे हुई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और स्थानीय पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे और जांच जारी थी। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पांच मजदूर पानी की टंकी में साफ-सफाई करने के लिए उतरे थे, लेकिन इस दौरान वे बेहोश हो गए।

रीवा सरकारी अस्पताल में युवक को बंधक बनाया, मारपीट की

रिपोर्ट जल्दी मांगने पर 4 कर्मचारियों ने पीटा, 4 घंटे बेहोश रहा; मां-बहन बिलखती रहीं

रीवा (नप्र)। रीवा के सरकारी अस्पताल में चार कर्मचारियों ने एक युवक को बुरी तरह पीटा। उसे कमरे में बंद कर आधा घंटे कर इतना मारा कि वह बेहोश हो गया। कमरे के बाहर उसकी बीमार मां और बहन बिलखती रहीं। मामला संजय गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में शनिवार शाम का है। युवक अपनी मां का इलाज कराने अस्पताल आया था। मां के पैर में चोट लगने की वजह से प्लास्टर चढ़ा है।

अस्पताल अधीक्षक राहुल मिश्रा ने रविवार को कहा- घटना बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। घायल युवक का इलाज किया जा रहा है। मारपीट करने वाले कर्मचारियों की पहचान हो गई है। कार्रवाई जारी है।

थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने कहा-मामले की शिकायत मिली है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

देवेंद्र ने रिपोर्ट जल्दी देने के लिए कहा था–पीड़ित देवेंद्र नाथ शुक्ला बघवार के चोरगढ़ी का रहने वाला है। अपनी मां फूलमती शुक्ला और बहन शशि मिश्रा के साथ शनिवार को अस्पताल पहुंचा था। यहां मां के पैर का एक्सरे कराया। रिपोर्ट आने में देर हो रही थी। देवेंद्र ने स्टाफ से कहा कि थोड़ा जल्दी रिपोर्ट दे दें। इस पर कर्मचारी नाराज हो गए।

योगी ने दिल्ली में की पीएम मोदी से मुलाकात

- 1 घंटे हुई बातचीत, मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश अध्यक्ष पर हुई चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, मोदी-योगी के बीच 1 घंटे तक बातचीत हुई। इस दौरान यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई।इसके अलावा, सीएम ने महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर भी बात की। महाकुंभ में 5 फरवरी को पीएम प्रयागराज आए थे। तब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। 32 दिन बाद दोनों की फिर से मुलाकात हुई। कल सीएम योगी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी।

इन 2 मुद्दों पर हुई चर्चा– यूपी में भाजपा अध्यक्ष को लेकर तस्वीर साफ नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व पंचायत चुनाव-2026 और विधानसभा चुनाव-2027 के जातीय समीकरण के हिसाब से प्रदेश अध्यक्ष बनाना चाहता है। शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि किसी ऐसे शख्स को बनाया जाए तो योगी और प्रदेश सरकार से बेहतर तालमेल बिठा सकें।

महाराष्ट्र में जीबीएस सिंड्रोम के 225 केस, 12 की मौत

179 मरीज ठीक हुए, 15 वेंटिलेटर पर; 144 वाटर सोर्स में इन्फेक्शन कंफर्म

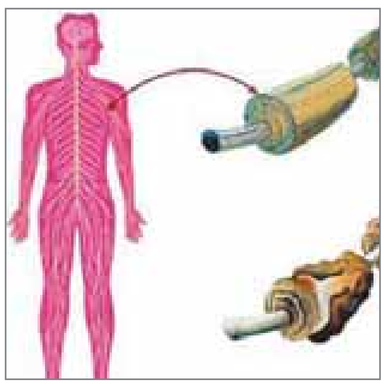

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गुइलैन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) का पहला केस 9 जनवरी को सामने आया था। इसके अबतक 225 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। 197 में जीबीएस की पुष्टि हुई है। 179 मरीज ठीक हुए हैं। 24 का इलाज जारी है। 15 वेंटिलेटर पर हैं। कुल 12 मौतें दर्ज हुई हैं। इनमें से 6 की वजह जीबीएस और 6 की मौत का कारण संदिग्ध है।

महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक ये सभी मामले पुणे नगर निगम, पुणे निगम के गांव, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम, पुणे ग्रामीण और दूसरे जिलों से हैं। इन इलाकों से 7262 पानी के नमूने केमिकल और बायोलॉजिकल एनालिसिस के लिए लैब भेजे गए। 144 वाटर सोर्स में इन्फेक्शन की बात सामने आई हैं। प्रशासन ने इन जिलों के 89,699 घरों की दौरा भी किया है। इनमें पुणे नगर निगम में 46,534, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम के 29,209 और पुणे ग्रामीण में 13,956 घर शामिल हैं। प्राइवेट क्लिनिक को एडवाइजरी जारी की गई है कि जीबीएस का कोई केस नजर आए तो सूचित करें।

इलाज महंगा, एक इंजेक्शन 20 हजार का

जीबीएस का इलाज महंगा है। डॉक्टरों के मुताबिक मरीजों को आमतौर पर इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन का कोर्स करना होता है। निजी अस्पताल में इसके एक इंजेक्शन की कीमत 20 हजार रुपए है।

पुणे के अस्पताल में भर्ती 68 साल के मरीज के परिजन ने बताया कि इलाज के दौरान उनके मरीज को 13 इंजेक्शन लगाने पड़े थे। डॉक्टरों ने मुताबिक जीबीएस की चपेट में आए 80 प्रतिशत मरीज अस्पताल से छुट्टी के बाद 6 महीने में बिना किसी सपोर्ट के चलने-फिरने लगते हैं। लेकिन कई मामलों में मरीज को एक साल या उससे ज्यादा समय भी लग जाता है।

बाबा खाटूश्याम के लिए डेढ़ करोड़ का भव्य रथ तैयार

- बीकानेर की फैक्ट्री में 125 किलो चांदी से बना, फाल्गुनी एकादशी पर निकलेगी सवारी

नोखा (बीकानेर) (एजेंसी)। बीकानेर के नोखा में करीब डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से भव्य रथ तैयार किया गया है। इसके निर्माण में एक महीने से ज्यादा का समय लगा है। रथ खाटू श्याम मंदिर पहुंच चुका है।

फाल्गुन एकादशी को श्याम मंदिर से सुबह रथ यात्रा रवाना होगी। यात्रा प्राचीन श्याम कुंड, अस्पताल चौराहा, पुराना बस स्टैंड से होकर मुख्य बाजार कबूतर चौक

लाखों भक्त पहुंचे खाटू धाम, पार्किंग तक लगा जाम

सीकर में चल रहा बाबा खाटूश्याम का मेला पूरे परवान पर है। रविवार को मेले के 10वें दिन लाखों की संख्या में भक्त दर्शन करने के लिए खाटू पहुंचे। भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है कि मंडा मोड़ से लेकर हनुमानपुरा तिराहे तक पार्किंग की तरफ जाने वाले रास्ते तक गाड़ियों का लंबा जाम लगा हुआ है।

मंडा मोड़ से लेकर हनुमानपुरा तिराहे तक लगा जाम

बता दें कि खाटू में सोमवार को एकादशी के मौके पर मुख्य मेले का आयोजन होगा। ऐसे में आज बाबा श्याम की रथ यात्रा निकाली जाएगी। पहली बार बाबा खाटूश्याम 125 किलो चांदी से बने रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे।

मुंबई के नागपाड़ा में बड़ी अनहोनी

- पानी की टंकी साफ करते समय 4 लोगों की दम घुटने से मौत

मुंबई (एजेंसी)। दक्षिण मुंबई में एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है। यहां रविवार को एक निर्माणाधीन इमारत में पानी की टंकी साफ करते समय चार मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति की जान बच गई और उसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना नागपाड़ा इलाके में डिमटीमकर रोड पर स्थित बिस्मिल्लाह स्पेस बिल्डिंग में दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुई। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पांच मजदूर पानी की टंकी को साफ करने के लिए उसमें उतरे थे, लेकिन इस दौरान वे बेहोश हो गए।

छत्तीसगढ़ में घर के अंदर 100 लोगों का हो रहा था धर्मांतरण

- बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर किया हंगामा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार को धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल हुआ। टाटीबंध में धर्म परिवर्तन के आरोप में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं तोड़फोड़ करते हुए हंगामा किया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि टाटीबंध के एक घर में करीब 100 से ज्यादा लोग जमा हुए थे।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में मंदिर में तोड़फोड़, हिंदू-विरोधी नारे लिखे

- सात महीने पहले भी कैलिफोर्निया के मंदिर में अभद्र नारे लिखे गए थे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। ये घटना चिनो हिल्स इलाके में हुई। इसकी जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की गई हैं, उनमें मोदी-हिंदुस्तान मुर्दाबाद जैसे स्लोगन और पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा लिखी दिखाई दे रही है। मंदिर बनवाने वाली संस्था बीएपीएस अमेरिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की जानकारी शेयर की। सात महीने पहले सितंबर में भी कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में श्री स्वामीनारायण मंदिर में इस तरह की घटना हुई थी।

कर्नाटक रेपकांड का दर्द खून खौला देगा

घसीटा, डुबोया, किया हमला, भयावह चीखों में बदली म्यूजिक नाइट

कोप्पल (एजेंसी)। कर्नाटक के हम्पी के पास एक भयानक घटना घटी। इसमें दो लोगों को एक 27 साल की इजराइली पर्यटक और महिला होमस्टे होस्ट के साथ बलात्कार और एक ओड़िया पर्यटक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना गुरुवार रात को गंगावती तालुक के सनापुर झील के पास हुई। जो कि यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल हम्पी से लगभग 25 किमी दूर है। गिरफ्तार किए गए संदिग्धों की पहचान 22

साल के मल्लेश उर्फ हैंडी मल्लेश और 21 साल के कामेश्वर राव के रूप में हुई है। दोनों गंगावती तालुक के रहने वाले हैं। कोप्पल एसपी राम एल अरसिद्दी ने कहा कि एक और संदिग्ध अभी तक फरार है, लेकिन उसके ठिकाने के बारे में हमारे पास पुख्ता सुराग हैं।

अयोध्या में सुहागरात पर दूल्हा-दुल्हन की मौत

- कमरे में दोनों के शव मिले; पत्नी बेड पर, पति फंदे पर लटका था

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में सुहागरात पर दुल्हन और दूल्हे की मौत हो गई। पत्नी का शव कमरे में बेड पर था, जबकि पति पंखे पर लटका हुआ था। रविवार

सुबह 7 बजे तक दोनों नहीं उठे तो घरवाले जगाने पहुंचे। देखा तो कमरा अंदर से बंद था।

घरवालों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। इसके बाद घरवालों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा तो उनके होश उड़ गए। दूल्हे को फंदे से उतारा और दोनों को अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सोने नहीं देती थीं जुड़वा नवजात बेटियां, मां ने घोंट दिया गला

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार में एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में मां ने अपनी ही छह महीने की जुड़वा बच्चियों की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने मामले से पर्दा उठाते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। उसने पूछताछ में कबूल किया है कि दोनों बच्चियां रात में अक्सर रोती थीं और उसे आराम नहीं मिलता था। इसलिए उसने तकिया से मुंह दबाकर दोनों को मौत की नींद सुला दिया। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि गुरुवार को छह महीने की दो जुड़वा बहनों के मृत अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराने की सूचना मिली थी।

बीएमडब्ल्यू सवार युवक ने बीच सड़क पेशाब किया, गिरफ्तार

- पुलिस बोली- नशे में था; आरोपी ने वीडियो जारी कर कहा- शॉरी शिंदे साहिब

पुणे (एजेंसी)। पूणे के येरवडा इलाके में शनिवार को बीएमडब्ल्यू सवार एक युवक ने बीच सड़क कार खड़ी कर डिवाइडर पर पेशाब कर दिया। घटना का

वीडियो सामने आया है, जिसमें एक युवक लग्जरी बीएमडब्लयू कार से उतरता है, ट्रैफिक जंक्शन पर खुलेआम पेशाब करता है। इसके बाद युवक मुस्कुराते हुए गाड़ी में बैठकर फरार हो जाता है।

घटना के दौरान किसी राहगीर ने ये वीडियो बनाया। इस दौरान दोनों युवक मुस्कुराते दिख रहे हैं। वीडियो की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाशी शुरू की। कुछ ही देर में पेशाब करने वाले युवक के साथ मौजूद उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को मुख्य आरोपी भी पकड़ा गया।

शाहरुख, अजय, टाइगर जयपुर कंज्यूमर-कोर्ट में तलब

- विमल इंडस्ट्रीज के चेयरमैन को भी नोटिस, आरोप- पान मसाले में केसर का दावा कर भ्रमित कर रहे

जयपुर (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ और विमल कुमार अग्रवाल को जयपुर कंज्यूमर कोर्ट ने तलब किया है। विमल कुमार अग्रवाल, विमल पान मसाला बनाने वाली कंपनी जेबी इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। आरोप है कि केसर के नाम पर विमल पान मसाला खरीदने के लिए लुभाया जा रहा है, जबकि इसमें केसर है ही नहीं। केसर के नाम पर आम लोग भ्रमित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओंकारेश्वर में बनने वाले शिव पंचायतन मंदिर के निर्माण स्थल का किया निरीक्षण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मान्धाता पर्वत पर स्थापित आचार्य शंकराचार्य की 108 फ़ीट ऊँची बहुधातु की प्रतिमा के दर्शन करने एकात्म धाम पहुँचे। आगमन पर बटुकों ने मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आचार्य शंकराचार्य की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें प्रणाम किया। उन्होंने एकात्म धाम ओंकारेश्वर में बनने वाले शिव पंचायतन मंदिर के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकात्म धाम के चरणबद्ध विकास पर आधारित प्रेजेंटेशन भी देखा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेड़े, महापौर श्रीमती अमृता यादव, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग कुमार, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्यपाल पटेल ने अंगदान जनजागृति कार रैली को राजभवन से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने ऑर्गन डोनेशन कार रैली को हरी झंडी दिखाकर राजभवन से रवाना किया। रैली का आयोजन जी.एम.सी एल्यूमनी एसोसिएशन और किरण फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन में अंगदाताओं के परिजनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद श्री आलोक शर्मा मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने राजभवन के गेट नंबर एक से वाहन रैली को रवाना किया। उन्होंने देहदानी डॉ. एस.आर. मोघे, देहदानी, नेत्रदानी मीरा गोहिया, नेत्रदानी गणेश कुमार पटेल, नेत्रदानी, देहदानी राम कृपाल सिंह, नेत्रदानी आशा देवी लोकवानी, नेत्रदानी चंद्र भूषण सिंह और नेत्रदानी, देहदानी राधेश्याम पटेल के परिजनों को सम्मानित किया।

टीम इंडिया की जीत के लिए विशेष हवन

हनुमान जी के चरणों में अर्पित हुए 11 खिलाड़ियों के नारियल, 12वें में छिपा था टॉस का रहस्य

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शीतलदास की बगिया में सेवा संकल्प युवा संगठन द्वारा भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विशेष हवन-पूजन किया गया। इस आयोजन में टीम इंडिया के 11 खिलाड़ियों के नाम नारियल पर लिखकर श्रीराम और हनुमान जी को अर्पित किए गए। युवा संगठन के विवेक साहू ने बताया कि हवन में कुल 12 नारियल रखे गए– 11 खिलाड़ियों के लिए और एक टॉस के लिए। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि रोहित शर्मा टॉस हारें, क्योंकि अब तक भारत जब भी टॉस हारा है, टीम को जीत मिली है। इसी विश्वास के साथ, भारतीय टीम की विजय के लिए प्रार्थना की गई। सेवा संकल्प युवा संगठन के वेद प्रकाश मालवीय ने बताया कि यह 'विजय अभिषेक हवन' भारतीय टीम की सफलता के लिए किया गया। इस दौरान श्रीराम और हनुमान जी को समर्पित नारियल अर्पित किए गए और संकल्प लिया गया कि टीम इंडिया विजयी होकर तिरंगा लहराएगी। इस अनूठे आयोजन में क्रिकेट प्रेमियों ने भी हिस्सा लिया और भारतीय टीम की जीत के लिए हवन में आहुति देकर प्रार्थना की। अब सभी की निगाहें दुबई में खेले जा रहे चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल पर टिकी हैं, जहां हर भारतीय की धड़कनें अपने खिलाड़ियों के साथ धड़क रही हैं।

जीआईएस-भोपाल से स्पीड-अप होने लगा ईवी और ऑटोमोबाइल सेक्टर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीआईएस भोपाल के शुभारंभ पर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण की बढ़ती संख्या को मध्यप्रदेश में ईवी क्रांति की बढ़ती स्वीकार्यता और निवेशकों के लिए इसमें अपार संभावनाओं को रेखांकित किया था। मध्यप्रदेश ऑटोमोबाइल और ईवी के क्षेत्र में न केवल निर्माण बल्कि नवाचार और अनुसंधान के हब के रूप में उभर रहा है। सरकार निवेशकों को हरसंभव सुविधाएं प्रदान कर रही है। मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और ऑटोमोबाइल सेक्टर को जबरदस्त गति मिल रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) भोपाल के मंच से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश को इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

प्रदेश में स्थापित होंगे ईवी और ऑटोमोबाइल विकास के नए आयाम : जीआईएस-भोपाल में देश-विदेश की प्रमुख ऑटोमोबाइल और ईवी कंपनियों ने हिस्सा लिया। वर्तमान में प्रदेश में 30 से अधिक मूल उपकरण निर्माता कंपनियां कार्यरत हैं और 200 से अधिक कंपनियां वाहन कल-पुर्जो का निर्माण कर रही हैं।

एमपी मोबिलिटी एक्सपो 2025: नवाचार और निवेश का केंद्र

जीआईएस समिट में एमपी मोबिलिटी एक्सपो-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें ब्रिजस्टोन, ज़ेडएफ स्टीयरिंग, मदरसन गेबियल, आनंद इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियों ने भाग लिया। एक्सपो में सुपर कार और सुपर बाइक प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विभिन्न स्टार्ट-अप्स ने अपने नवाचार प्रस्तुत किए, जिससे प्रदेश में नई तकनीकों के समावेश को बढ़ावा मिला।

ईवी और सस्टेनेबल मोबिलिटी की दिशा में कदम

मध्यप्रदेश ईवी बैटरी निर्माण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और हाइड्रोजन फ्यूल इनोवेशन में तेजी से निवेश आकर्षित कर रहा है। स्वच्छ और सस्टेनेबल ऑटोमोबाइल निर्माण को बढ़ावा देने के लिय राज्य सरकार विशेष नीतियां लागू कर रही है।

वाणिज्यिक वाहन निर्माण में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है, जबकि बस और ट्रैक्टर निर्माण में यह दूसरे स्थान पर है।

जीआईएसः भोपाल में ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान इलेक्ट्रो-ग्रेफाइट (एचईजी) ने 1,800 करोड़ रुपये के निवेश का करार किया। देवास में बनने वाले इस संयंत्र में ग्रेफाइट एनोड का उत्पादन होगा, जिससे ईवी बैटरियों की लागत में कमी आएगी और उद्योग को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

पीथमपुर बन रहा भारत का 'डेट्रॉयट': मध्यप्रदेश का पीथमपुर ऑटो-क्लस्टर लगभग 4,500 हेक्टेयर में फैला हुआ है और यह देश के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल केंद्रों में से एक बन चुका है। यहां फोर्स मोटर्स, आयशर मोटर्स, एवीटीएसी मोटर्स, काइनेटिक मोटर्स जैसी दिग्गज कंपनियां कार्यरत हैं। साथ ही, 60 से अधिक ऑटो कल-पुर्जा निर्माता कंपनियां यहां अपने उत्पाद बना रही हैं। पीथमपुर में स्थित एशिया का सबसे लंबा हाई-स्पीड टेस्टिंग ट्रैक 'नैट्रैक्स' (11 किमी) वाहन परीक्षण के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जो इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाता है।

प्रदेश में निवेश के लिये ऑटोमोबाइल और ईवी निवेशकों में उत्साह

मध्यप्रदेश सरकार ऑटोमोबाइल सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए कर-प्रोत्साहन, शीघ्र अनुमोदन प्रक्रिया और उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा दे रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में प्रदेश के ऑटोमोबाइल और वाहन कल-पुर्जा क्षेत्र ने 19.2 करोड़ डॉलर मूल्य का निर्यात किया। इससे प्रदेश को राजस्व प्राप्त हुआ और हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित हुए।

प्रमुख कंपनियों की भागीदारी

जीआईएस-भोपाल में ऑटो मोबाइल और इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में काम कर रही प्रमुख कंपनियों ने हिस्सेदारी की। ऑटो-एक्सपो में ब्रिजस्टोन, जेडएफ स्टीयरिंग, बाडवे इंजीनियरिंग, मदरसन गेबियल, पिस्टल देवास, आनंद इंडस्ट्रीज, झालानी इंजीनियर्स, एसडी एक्सेल प्रा. लिमिटेड, जगतजीत इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, टैफे मोटर्स एंड ट्रैक्टर्स लिमिटेड, वी.ई. कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड और पिनेकल इंडस्ट्रीज शामिल थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा किईवी-मोबिलिटी के विस्तार से मध्यप्रदेश में कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन नीति को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे राज्य न केवल आर्थिक समृद्धि की ओर अग्रसर होगा, बल्कि हरित ऊर्जा और सतत् विकास की दिशा में भी मिसाल कायम करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

माधव राष्ट्रीय उद्यान बना म.प्र. का 9वां और देश का 58वां टाइगर रिजर्व

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का माधव राष्ट्रीय उद्यान को देश का 58वां और मध्यप्रदेश का 9वां टाईगर रिजर्व की सौगात प्रदान करने के लिये आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर केन्द्र सरकार के इस निर्णय को प्रदेश के वन्य जीव संरक्षण प्रयासों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में मिली एक और बड़ी उपलब्धि है। माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी जिले में स्थित है। यह ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से बेहद समृद्ध है। टाइगर रिजर्व घोषित करने से यहां वन्यजीवों के संरक्षण के साझा प्रयासों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सदैव ही वन्य जीव संरक्षण में अग्रणी रहा है। यह नया टाइगर रिजर्व राज्य की जैव विविधता को और अधिक सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि इससे बाघों के संरक्षण को बल मिलेगा, साथ ही पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया कि वन्य जीव प्रेमियों के लिए एक आश्चर्यजनक समाचार प्राप्त हुआ है। भारत वन्य जीव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण करने वाली संस्कृति से धन्य है। हम हमेशा हमारे वन्य प्राणियों की रक्षा करने और एक सतत् विकासशील ग्रह में जीवन कायम रखने में योगदान देने में सबसे आगे रहेंगे।

केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाईगर रिजर्व घोषित किए जाने के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा पृथ्वी पर पारिस्थितिकी विविधता को बहाल करने पर दिए गए ऐतिहासिक जोर के साथ भारत पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीव संरक्षण में लगातार बड़ी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह घोषणा करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि देश ने अपने टाइगर रिजर्व की सूची में 58वां टाइगर रिजर्व जोड़ लिया है, जिसमें नवीनतम नाम मध्यप्रदेश के माधव टाइगर रिजर्व का है। यह मध्यप्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने देश के सभी वन्य जीव प्रेमियों और संरक्षणवादियों को बधाई देते हुए कहा कि यह विकास हमारे वन अधिकारियों के अथक प्रयासों का प्रमाण है, जो निस्वार्थ भाव से वन्य जीव संरक्षण के पावन उद्देश्य के लिए काम कर रहे हैं।

शराब दुकानों के टारगेट से 120 करोड़ ज्यादा मिलेंगे

भोपाल की 85 दुकानों की नीलामी, 11 प्रतिशत ज्यादा में गई; 4 ग्रुप में बांटी थी

भोपाल (नप्र)। भोपाल की कुल 87 कंपोजिट शराब दुकानों की वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नीलामी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। अबकी बार इन दुकानों के ठेके 1193 करोड़ रुपए से ज्यादा में हुए हैं, जो टारगेट से 11 प्रतिशत यानी, 120 करोड़ रुपए अधिक है।

दुकानों की ऑनलाइन आक्शन के जरिए नीलामी की गई। इनकी रिजर्व प्राइस (आरपी) 1073 करोड़ निर्धारित की गई थी, जबकि टेंडर खुले तो उच्चतर ऑफर राशि 1193 करोड़ रुपए आई। रविवार तक यह प्रक्रिया चलती रही। सहायक आयुक्त आबकारी दीपम रायचुरा, उपायुक्त यशवंत धनौरा, जिला कंट्रोलर एचएस गोयल आदि जुटे रहे। जिला कंट्रोलर गोयल ने बताया कि भोपाल जिले की सभी दुकानों की नीलामी हो गई है। कोई दुकानें शेष नहीं है।

इन चार ग्रुप में बांटी गई थी दुकानें

ग्ररुप-1: गोलजोड़ रोड, गेहूंखेड़ा, कोलार रोड, चूनाभट्टी, शाहपुरा, बिट्टन मार्केट, अरेरा कॉलोनी, त्रिलंगा, गुलमोहर, आरएस मार्केट, पंचशील नगर, टीनशेड, न्यू मार्केट क्रमांक-1 और 2, डिपो चौराहा, पीएंडटी चौराहा, नेहरू नगर क्रमांक-1 और 2, नीलबड़।

ग्ररुप-2: एमपी नगर जोन-1 और 2, अन्ना नगर, हबीबगंज फाटक, नारायण नगर,

बागसेवनिया, बागमुगालिया, ग्यारह मील तिराहा, बरखेड़ा पठानी, खजूरीकलां, बिलखिरिया, रत्नागिरी चौराहा, कोकता, पटेल नगर, पिपलानी, अयोध्या नगर।

ग्रुप-3 : सूखी सेवनिया, भानपुर चौराहा, करोंद चौराहा, पीपल चौराहा, डीआईजी बंगला, छोला-नाका, छोला रोड, हमीदिया रोड, बस स्टैंड (हमीदिया रोड), अल्पना तिराहा, जहांगीराबाद, इतवारा चौक, मंगलवारा, स्टेशन बजरिया, सिंकदरी सराय(स्टेशन रोड), ऐशबाग, पुल बोगदा, बरखेड़ी, चांदबड़, सेमरा, विवेकानंद चौक, प्रभात चौराहा, सुभाष नगर, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया।

ग्रुप-4 : पुराना किला, पीरगेट, शाहजहांनाबाद क्रमांक-1 और 2, स्टेट बैंक चौराहा, लालघाटी क्रमांक-1 और 2, पीएनबी चौराहा, संतनगर बस स्टैंड, सीहोर नाका, इंदौर रोड, बरखेड़ा बोंदर, झिरनिया, तारासेवनियां, गांधीनगर क्रमांक-1 और 2, बैरसिया क्रमांक-1 और 2, ईंटखेड़ी, गुनगा, रतुआ, नजीराबाद, नजीराबाद. परसौरा, हिरनखेड़ी, ललरिया, रुनाह, हर्राखेड़ा।

पिछली बार कैंसिल हो गई थी प्रक्रिया

रिजर्व प्राइस 1087 करोड़ की राशि का 80 प्रतिशत राजस्व नहीं मिलने के कारण पिछली बार नवीनीकरण और लॉटरी की प्रक्रिया निरस्त कर दी गई थी 19 समूहों की 49 दुकानों के संचालकों ने 20प्रतिशत ज्यादा राशि देकर 607 करोड़ में नवीनीकरण कराया था। यह कुल राजस्व का 56.57 प्रतिशत रहा। शेष 16 समूह की 38 दुकानों के लिए लॉटरी प्रक्रिया में सिर्फ 6 समूहों के लिए आवेदन आए जबकि 10 समूहों के लिए आवेदन नहीं आए। जबकि इस प्रक्रिया में 251.40 करोड़ नहीं आया। इस कारण नए टेंडर बुलाने पड़े थे।

देर रात तक चली प्रक्रिया

शनिवार को टेंडर का आखिरी दिन था। इसके बाद आगे की प्रक्रिया हुई, जो देर रात तक चली और रविवार सुबह तक फाइनल हुई। नीलामी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार को भोपाल से आबकारी विभाग से अब 1193 करोड़ रुपए से ज्यादा मिलेंगे। पिछले साल 895 करोड़ रुपए मिले थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उस्ताद जाकिर हुसैन की जयंती पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रसिद्ध तबला वादक और पद्मविभूषण से सम्मानित उस्ताद जाकिर हुसैन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देकर नमन किया। उस्ताद जाकिर हुसैन भारतीय शास्त्रीय संगीत के अग्रणी कलाकारों में से एक थे, जिन्होंने अपनी अद्वितीय प्रतिभा से भारत के संगीत कला जगत को समृद्ध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि उस्ताद जाकिर हुसैन ने तबला वादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और भारतीय संगीत को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा कि पद्मविभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने तबला वादन को नई ऊंचाइयां प्रदान करने के साथ भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। संगीत के प्रति उनकी अनूठी साधना सदैव हमारे हृदय में बसी रहेगी।

कबीटपुरा में बिजली के तार में लगी आग

दो वाहन जले, स्थानीय लोगों ने रेत डालकर बुझाई आग, गिलहरी के झुलसने से हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। शाहजहानाबाद के कबीट पुरा इलाके में रविवार दोपहर अचानक हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तार गिरते ही उसमें आग लग गई। ऐसे में सड़क पर खड़ी दो गाड़ियां;एक एक्टिवा और एक बाइक जलकर खाक हो गईं। हालांकि, घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शी आमिर के मुताबिक, घटना दोपहर करीब 12:30 बजे हुई। एक गिलहरी खंभे पर चढ़ गई थी, जहां से हाई टेंशन लाइन गुजरी हुई थी।

फायर ब्रिगेड न पहुंच सकी तो लोगों ने बुझाई आग

हादसे के बाद लोगों ने तुरंत बिजली विभाग के इमरजेंसी नंबर पर कॉल किया, लेकिन फोन नहीं लगा। वहीं, फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया, लेकिन सकरी गलियों के कारण दमकल की बड़ी गाड़ियां मौके पर नहीं पहुंच सकीं। इसके चलते स्थानीय लोगों ने ही सूझबूझ से धूल और रेत डालकर आग पर काबू पाया। तार गिरने के बाद करीब 20 मिनट तक उसमें आग जलती रही, जिससे सड़क पर चार इंच गहरा गड्ढा हो गया।

मणप्पुरम गोल्ड बैंक में लूट की कोशिश

शटर के ताले काटे, अंदर तक घुसे आरोपी; रिकॉर्ड न हो, इसलिए सीसीटीवी के वायर भी काटे

भोपाल (नप्र)। भोपाल के भेल गेट नंबर एक के करीब बने मणप्पुरम गोल्ड लोन बैंक में लूट की कोशिश हुई। आरोपियों ने शटर के दो तालों को काट दिया। इसी के साथ पिछले हिस्से में लगी ग्रील को काटकर आरोपियों ने अंदर प्रवेश किया। इससे पहले बदमाशों ने पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरों के वायर तक काट दिए। सायरन बजने पर लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। इससे पहले ही आरोपी भाग निकले। टीआई अनुराग लाल के मुताबिक, सुबह करीब पांच बजे डायल 100 पर मणप्पुरम गोल्ड के सायरन बजने की जानकारी मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि शटर के ताले कटे हुए थे, पिछले हिस्से की ग्रील को भी काटकर उखाड़ दिया गया था। आरोपी अंदर बंकर रूम को तोड़ने का प्रयास करते इससे पहले ही सायरन बज गया। तत्काल आस पास के लोगों ने डायल 100 पर कॉल किया। जिसके बाद पुलिस की टीम वहां पहुंच गई। हालांकि सायरन बजने के कारण आरोपी वहां से भाग चुके थे। आरोपियों ने शटर के तालों को कटर से काटा और अंदर प्रवेश किया।

सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही पुलिस

बैंक का सभी सामान सुरक्षित है। बदमाश कुछ भी ले जाने में कामयाब नहीं हो सके। शुरूआती जांच में 5 से 6 लोगों द्वारा वारदात में शामिल होने की जानकारी मिल रही है। घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। उनके भागने के वाले पूरे रोड का मैप तैयार किया जाएगा।

दो महीने पहले भी हुई थी बैंक को लूटने की कोशिश

तीन जनवरी को भोपाल के पिपलानी में एक और बैंक में लूट की कोशिश की गई। हेलमेट और मास्क पहने युवक ने बैंककर्मियों पर मिर्च का स्प्रे कर दिया। आंखों में जलन होने के बावजूद बैंककर्मियों ने उसे पकड़ने की कोशिश की। इससे डरकर लुटेरा भाग निकला। पुलिस ने कुछ ही घंटों में उसे धर दबोचा। घटना के समय बैंक में 3-4 कर्मचारी और 7-8 कस्टमर मौजूद थे। वारदात पिपलानी थाना इलाके में धनलक्ष्मी बैंक में शुक्रवार शाम 4 बजे की है। इससे पहले आरोपी खाता खुलवाने की बात कहकर बैंक में पूछताछ करने आया था। बैंक के सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई।

ऑनलाइन गेमिंग ऐप में रकम हारकर बनाई थी लूट की योजना

आरोपी संजय कुमार (24) को दो घंटे में गिरफ्तार कर लिया गया। उसने ऑनलाइन गेमिंग एप पर 2 लाख रुपए हारने के बाद बैंक में लूट की योजना बनाई थी। दोस्तों से उधार लिया पैसा और घर से मिले फीस के रुपए भी वह ऑनलाइन गेम में हार चुका था। आरोपी से उसकी मोटरसाइकिल और मिर्च स्प्रे जब्त कर लिए गए।

पुजारी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

आखिरी बार भाई से की बातचीत में बोला था शुगर से परेशान हो चुका हूं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शिव नगर में रहने वाले पुजारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शनिवार सुबह 11.30 बजे उन्होंने आखिरी बार भाई से कॉल पर बात की। तब उन्होंने भाई से कहा कि शुगर की बीमारी से अब परेशान हो चुका हूं। इसके बाद शनिवार रात उनकी मौत की सूचना मिली। वहीं पुलिस का कहना है कि घटना स्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। देवेंद्र दुबे (48) पुत्र बाबूलाल मूलरूप से वीरपुर जिला रायसेन का रहने वाला थे। उनके

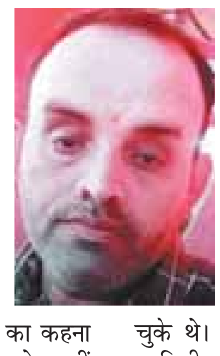

पिता ने दस साल पहले भोपाल में मकान बना लिया था, अविवाहित होने के कारण पिता की मौत के बाद से देवेंद्र भोपाल स्थित उनके मकान में रह रहे थे। यहां वे एक मंदिर में पुजारी थे। उनके भाई कामता प्रसाद दुबे ने बताया कि बीते तीन सालों से देवेंद्र हैवी डायबिटीज के शिकार हो चुके थे। इसी कारण तनाव में रहते थे। आखिरी बार कॉल पर उन्होंने बीमारी से त्रस्त होने की बात कही थी। शनिवार की रात को सूचना मिली की भाई ने सुसाइड कर लिया है। यह सूचना उनके किराएदार ने कॉल कर दी थी।

संपादकीय

जयशंकर की दो टूक

भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने ब्रिटेन में एक पाक पत्रकार के प्रायोजित सवाल पर जिस तरह दो टूक जवाब दिया, उससे पाक बौखला गया है। हालांकि जयशंकर के जवाब पर भारत में भी कुछ सवाल उठ रहे हैं। लंदन के चैथम हाउस में थिंक टैंक के एक कार्यक्रम में जयशंकर अपनी बात रख रहे थे। तभी एक पाक पत्रकार निसार ने उनसे पूछा कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल कश्मीर समस्या को हल करने के लिए कर सकते हैं? इस पर जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत से जो हिस्सा (पीओके) चुराया है, अब उसकी वापसी का इंतजार है। उस हिस्से के भारत में शामिल होते ही जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से शांति स्थापित हो जाएगी। विदेश मंत्री ने कश्मीर घाटी में शांति का फॉर्मूला बताते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में शांति बहाल करने की पूरी प्रक्रिया तीन चरणों में अपनाई गई। सबसे पहले आर्टिकल 370 हटाया गया। इसके बाद दूसरा कदम कश्मीर में विकास और आर्थिक गतिविधि के साथ सामाजिक न्याय को बहाल करना था। वहीं, तीसरा कदम अच्छे वोटिंग प्रतिशत के साथ मतदान कराना था। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी विदेश नीति में बदलाव का भारत को फायदा मिलेगा। यह कई मायनों में भारत के अनुकूल है, क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के ऐक्शन से दुनिया नई व्यवस्था की तरफ बढ़ रही है। जाहिर है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने 'जैसे को तैसा' शैली में जवाब दिया। उन्होंने पाकिस्तान को यह संदेश दिया कि जिस कश्मीर को वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाए हुए है, वह भारत की नजर में सिर्फ पाकिस्तान द्वारा जबरन कब्जाए गए हिस्से तक सीमित है। जिस दिन पाकिस्तान उसे खाली कर देगा, कश्मीर समस्या अपने आप हल हो जाएगी। जयशंकर के इस जवाब पर भारत में कुछ अलग तरह से भी प्रतिक्रिया हुई। जम्मू-कश्मीर ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने परोक्ष रूप से भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि 1999 में कारगिल के लड़ाई के समय ही पीओके को क्यों जीत लिया गया तो एक अन्य नेता ने सवाल किया कि जयशंकर केवल पीओके की बात क्यों कर रहे हैं? क्योंकि गिलगित और बाल्टीस्तान भी पूर्व कश्मीर रियासत का हिस्सा थे, जिनका विलय कश्मीर के तत्कालीन महाराजा हरिसिंह ने भारत में कर दिया था। इस पर सत्तापक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई, लेकिन यह सवाल जरूर उठा कि क्या भारत ने कश्मीर मुद्दे पर अपनी नीति को कुछ बदल दिया है? क्या उसने पीओके के अलावा क्या बाकी बचे उस कश्मीर पर अपना दावा छोड़ दिया है, जो पाक के कब्जे में है। यूं निकालने को जयशंकर के बयान के कई अर्थ निकाले जा सकते हैं, लेकिन विदेश मंत्री ने यह संदेश देने की कोशिश जरूर की कि पीओके वापस लेना सरकार के एजेंडे में है। इसे लड़कर लेना है या फिर अन्य तरीकों से, यह बाद की बात है। हालांकि जयशंकर के ब्रिटेन दौरे के समय लंदन में खालिस्तान समर्थकों ने जिस तरह से जयशंकर के काफिले को रोकने की कोशिश की और भारत का राष्ट्रध्वज तिरंगा फाड़ा, उससे ब्रिटेन की सरकार की मंशा और पुलिस पर सवालिया निशान जरूर लगे हैं। अलगावादियों द्वारा शांतिपूर्वक प्रदर्शन अलग बात है और किसी विदेशी राजनयिक के साथ अभद्र व्यवहार को हिंसा करने की कोशिश अंतरराष्ट्रीय शिष्टाचार का भी उल्लंघन है। पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के जमाने में खालिस्तानियों पर लगाम लगी थी, लेकिन लगता है कि कीर स्टार्मर की सरकार ऐसे तत्वों को शह दे रही है। अगर इन तत्वों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो ब्रिटेन भारत रिश्तों में खटास आ सकती है।

नजरिया

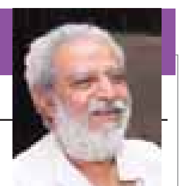

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

युद्धों से सबक ले गरीब दुनिया

इस समय दुनिया के पटल पर तीन घटनाएं मुख्य चर्चाओं के बिन्दु हैं। एक यूक्रेन और रूस का युद्ध, दो हमास-इजरायल का संघर्ष और तीसरा अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का सनकी परन्तु बेवाक व्यवहार।

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध के चलते कई लाख लोग मारे जा चुके हैं और बड़े पैमाने पर धन-सम्पत्ति की बर्बादी हुई है। हालांकि पिछले कई वर्षों से चल रहे युद्ध के बावजूद भी रूस अभी तक जीत नहीं सका है, केवल यूक्रेन के कुछ क्षेत्र पर कब्जा कर सका है। कई सूचनाओं के अनुसार अभी तक 20 कि. मी. क्षेत्र पर ही वास्तविक कब्जा कर सका है। यह तथ्य है कि, युद्ध रूस और यूक्रेन के बीच नहीं है, बल्कि रूस बनाम अमेरिका और यूरोप के बीच है। यूरोप तो नाटो में यूक्रेन को शामिल करने के लिए पूर्णतरू कटिबद्ध है पर अमेरिका दोहरा खेल खेल रहा है। युद्ध विराम कराने का दावा करता है और कभी रूस और कभी यूक्रेन की तरफ्दारी करता है। शायद यूरोप और अमेरिका का सहारा है इसलिये यूक्रेन टिका हुआ है। यूरोप के देश चाहते हैं कि यूक्रेन जो वस्तुतरू यूरोप का ही एक हिस्सा है, नाटो में शामिल हो और उसकी सुरक्षा छतरी के बीच सुरक्षित हो। यूरोप के देश, व नाटो के सदस्य, यूक्रेन को आर्थिक सामरिक मदद कर रहे है।

पिछले 5 वर्षों से अमेरिकी प्रशासन भी यूक्रेन को भारी आर्थिक और सामरिक मदद देता रहा। डोनाल्ड ट्रम्प के मुताबिक अमेरिका यूक्रेन को 31 लाख करोड़ रुपया की मदद दे चुका है। यह राशि भारत के राष्ट्रीय बजट से लगभग आधा से ज्यादा होती है। रूस ऊपरी तौर पर तो यूक्रेन को नाटो की सदस्यता से रोकना चाहता है, परन्तु उसकी वास्तविक इच्छा यूक्रेन को हड़पने और रूस में वापिस मिलाने की है। यूक्रेन का खनिज अमेरिका-रूस-यूरोप तीनों को ललचाता है। इस मामले में चीन रूस के साथ है। शायद चीन का सोचना है कि अगर रूस यूक्रेन को हड़प सका तो फिर चीन के लिए तालिबान को हड़पने के लिये एक मजबूत तर्क मिल जायेगा।

वैसे तो डोनाल्ड ट्रम्प की भाषा एक तानाशाह जैसी लगती है, जो तीखा और कठोर बोलने के अभ्यस्त है। शायद अमेरिकी इतिहास में ऐसा राष्ट्रपति कोई और नहीं हुआ होगा, परन्तु मुझे डोनाल्ड ट्रम्प तानाशाह नजर नहीं आते. क्योंकि तानाशाह कभी भी लोकतंत्र व संवाद पसंद नहीं करता। जबकि ट्रम्प हर दिन बहस मुबाहसे में अपने नस्ली भाईयों, मित्रों, सहयोगियों से सार्वजनिक रूप से उलझते हैं। परन्तु कुछ समय बाद पूर्ववत मित्र-शुभचिंतक बन जाते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति की अमेरिकी यात्रा में जो संयुक्त पत्रकार वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ हुई उसमें ट्रम्प यूक्रेन को मदद देने के बारे में अमेरिकी मदद की चर्चा कर रहे थे और उत्साह में आकर बोले कि श्केवल अमेरिका ने ही यूक्रेन की मदद की है। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कहा कि आप गलत हैं। फ्रांस और यूरोप के देशों ने भी मदद की है।

28 फरवरी को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और ट्रम्प के बीच बातचीत में नोंक झोंक हुई। यहां तक कि पत्रकार वार्ता में भी तीखी बहस हो गई। ट्रम्प ने यह भी कहा कि जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस में ऊँची आवाज में बात कर अमेरिका का अपमान किया है। परन्तु एक चतुर व्यापारी की तरह ट्रम्प ने यह तय करा लिया कि युक्रेन 44 लाख करोड़

के खनिज अमेरिका को देगा और ट्रम्प ने प्रश्न बदलकर कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते परन्तु यूक्रेन को मदद देते रहेंगे और जेलेंस्की ने भी कहा कि हम अपने देश की सुरक्षा की गारंटी चाहते हैं। जेलेंस्किी, के ट्रंप को उत्तर देने व दृढ़ता ने, उन्हें दुनिया में बहादुर सिद्ध किया हैं।

हालांकि ट्रम्प और जेलेंस्की या मक्रो के सार्वजनिक विवाद ने भी वांछित निर्णयों पर कोई प्रभाव नही डाला और सबने अपने-अपने हित साध लिये। तानाशाह अवज्ञा नहीं सहता, परन्तु लोकतांत्रिक मानस का व्यक्ति उस अवज्ञा को अपमान नही मानता तथा उसे मन में भी नहीं रखता। ट्रम्प का स्वभाव कुछ कुछ भारत के एक नेता स्व. बीजू पटनायक या पुराने सोशलिस्टों जैसा है, जो लड़ते हैं, वाद विवाद करते हैं, बिगड़ते हैं और फिर साथ हो जाते हैं। इसलिये ट्रम्प भले ही दुनिया को विश्व युद्ध के खतरे से डरायें परन्तु मैं महसूस करता हूँ कि फ्लिहाल विश्व युद्ध नहीं होगा।

यूरोप और नाटो के देशों ने तो जेलेंस्की के अमेरिका से लौटने के बाद उनका स्वागत किया तथा यूक्रेन को पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। यूरोप और अमेरिका में भी आर्थिक स्वार्थों और डॉलर के प्रयोग को लेकर तनाव है। इसलिए विश्व तानाशाही का कोई खतरा या विश्वयुद्ध की गंभीर चिंता अगर कभी भविष्य में हो तो यह स्वाभाविक है।

पर मुझे वह रुसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति सी जिनपिंग से ज्यादा नजर आती है, जिनका विश्वास अपने देश में या विदेश में लोकतांत्रिक संवाद में नहीं है।

जेलेंस्की और ट्रम्प के सार्वजनिक विवाद संवाद ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि आज की दुनिया में कोई भी देश किसी दूसरे देश को न्याय और अन्याय के आधार पर समर्थन नहीं करता, बल्कि अपने हितों को ही सर्वोपरि मानता है। इजरायल और हमास के बीच के संघर्ष में तो ट्रम्प ने एक अलग ही लाइन ली है। निसंदेह हमले की शुरुआत, हमास ने की थी। अब उसका अन्त दुखदरू है। इजरायल के 1200 लोग हमास के हमलों में मारे गये और अभी तक अधिकृत सूचना के अनुसार फिलिस्तीन के 42 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वैसे भी युद्ध में मरने वालों की सही संख्या की गणना कठिन होती है। गाजा पट्टी का अधिकांश हिस्सा हमास के कब्जे से निकल चुका है और अब ट्रम्प ने तो फिलिस्तीनी आबादी को वहाँ से हटाकर अन्यत्र समीपी देशों में बसाने की न केवल कोशिश रूपी घोषणा कर दी है, बल्कि इस योजना पर अमल भी शुरू कर दिया हैं। चर्चा शुरू हुई है कि अब अरब देश भी इस्लामिक आधार पर फिलिस्तीन के साथ एकजुट होने के लिए सक्रिय हो रहे हैं। अगर यह हुआ तो फिर तीसरा विश्व युद्ध हो सकता है।

अमेरिकी यूरोप और इजरायल तथा ईसाई और यहूदी के बीच के संबंध बहुत गहरे हैं। दरअसल यही धुरी है जो दुनिया की अर्थ सत्ता,सामरिक सत्ता, राजनीति सत्ता, और कुछ हद तक वैश्विक राजनीति को नियंत्रित कर रही है।

ट्रम्प का चातुर्य यहाँ भी प्रकट होता है कि उन्होंने यूएस एड (SýID) के द्वारा भारत में मतदान बढ़ाने के नाम पर दिये गये 182 करोड़ के अनुदान को उन्होंने न केवल सार्वजनिक किया बल्कि उसके राजनैतिक लक्ष्य की ओर इशारा किया तथा श्री नरेन्द्र मोदी को मित्र भी बता दिया। कई बार ऐसा लगता है कि ट्रम्प की शक्ल और बातें ऊपर से भले ही विदूषक जैसी लगती हों, परन्तु वह भीतर से वे बहुत चतुर और अमेरिकी हितों को सामने रख कर काम करते हैं। उन्होने बंग्लादेश को भी 250 करोड़ रु. दिये जाने का खुलासा किया है। यद्यपि बंगलादेश के तख्तापलट में इस राशि का कितना इस्तेमाल हुआ है, वह शोध का विषय है। पर जिस प्रकार से बंगलादेश में शेख हसीना का अचानक सत्ता पलट हुआ, उन्हें भागना पड़ा, मोहम्मद युनुस की वापिसी हुई तथा अब इस तख्ता पलट के छिपे किरदार अपना राजनैतिक दल बना रहे हैं, उसमें एक जुड़ी हुई कड़ी देखी जा सकती है।

बंगलादेश की घटनाएं भारत के लिये विशेष चिंता का विषय होना चाहिए। बंगलादेश और पाकिस्तान के बीच उभर रहे रिश्ते कुछ नई दिशाओं के संकेत दे रहे हैं। पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही है और अब बंगलादेश भी अघोषित सैन्य नियंत्रण में है। हालांकि मेरी समझ तो यह है कि पाक सैन्य अधिकारी और बांग्लादेश के सैन्य अधिकारियों की कई बैठकें हो चुकी हैं। ये दोनों देश फ्लिहाल मिल तो नहीं सकते पर सामरिक, विदेश नीति और व्यापारिक समझौता कर सकते हैं।

पाकिस्तान की शक्कर की मिठास बंगलादेश को भाने लगी है। इसकी भावी संभावनाओं और उसके परिणामों के बारे में भारत को सोचना चाहिये। बंगलादेश चीन से सटा हुआ है और चीनी प्रभाव से अगर पूर्णतः प्रभावित नहीं है तो पूर्णतरू मुक्त भी नहीं है। म्यांमार की सैन्य सत्ता पहले ही चीन के नजदीक है। आंग सान सूकी अब दोनों ही धड़ों याने अमेरिका यूरोप व रूस के लिये ही अनुकूल और नहीं है।

श्रीलंका में वामपंथी विचारों के श्री अनुरा कुमार सत्ता में वापिस होकर आये हैं। अभी तो वे भारत के प्रति तटस्थ नजर आते है वैसे भी वह कोई वैश्विक प्रभाव डालने की स्थिति में नहीं है। पर यह दृष्टिकोण कब तक रहेगा कहना कठिन है। नेपाल भी मार्क्सवादियों की सत्ता नियंत्रण में है जो चीन के प्रभाव में है और अपनी भौगोलिक स्थिति के चलते वे वैसे भी चीन से मधुर रिश्ते रखने को बाध्य हैं।

हमारे देश के स्वयंभू विश्व गुरु इन वैश्विक घटनाओं में कहीं भी नजर नहीं आते और वैश्विक राजनीति से लगभग अलग से नजर आते हैं। विश्व की आर्थिक शक्तियों का कर्ज कैसी कीमत वसूलता है यह भारत को यूक्रेन की घटना से सीखना चाहिये। जिसे अपने देश की रक्षा के लिये लड़े जाने वाले युद्ध के लिये, दी गई मदद के बदले में अमेरिका को 44 लाख करोड़ का खनिज देना पड़ रहा है। भारत पर तो बगैर किसी युद्ध के ही इतना कर्ज है कि इस वर्ष केवल कर्ज और ब्याज की किश्त चुकाने पर भारत के कुल बजट का 20 प्रतिशत इस मद में चुकाना होगा या देना होगा। आगामी वर्षों में यह और बढ़ने वाला है।

यूक्रेन, हमास और इजरायल के घटनाक्रम भारत और शायद समूची रंगीन गरीब दुनिया के लिये एक सबक है। बशर्ते इनके शासक मदमस्त होने के बजाय अपने देश और दुनिया के भविष्य के प्रति सावधान हो।

आर्थिकी

डॉ. संजीव कुमार

सहायक प्रोफेसर श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय भिलाई

सामूहिक कर्ज कंपनियों के कुचक्र में फंसता समाज

लोग क्या कहेंगे,इसी मानसिकता के इर्द गिर्द आधे भारतीय जीते हैं और अपनी पूरी जिंदगी बर्बाद कर लेते हैं। लोग याद रखेंगे, लोग तारीफ करेंगे, लोग मेरे दरवाजे पर बैठेंगे इत्यादि सोच के साथ ही हम भारतीय अपने जीवन की गाढ़ी कमाई उजुल फजूल में खर्च कर देते हैं। वे ये खर्च एक दिन करते हैं और सालों चुकाते रहते हैं। हमारे पड़ोस में ही एक किसान है उनके दो बेटे हैं दोनों ने भारतीय शिक्षा पद्धति के अंतर्गत न्यूनतम शिक्षा हासिल कर रखी हैं। दोनों की शादियां हो चुकी हैं। शादी से लेकर के दोनों के दो पुत्र होने तक इन्होंने समाज में हर प्रकार के खूब आयोजन किए दिखावे के लिए। इन लोगों ने अपनी कमाई से चार गुना खर्च किया और यह सारा खर्च फाइनेंस कंपनियों से एक के बाद एक उठाते हुए किया। आज इनके पिता के पास जो जमीन थी जिससे इनका परिवार हँसी खुशी जीवन गुजारा करता था वह जमीन गिरवी है, अब यह दूसरों की खेती में मजदूरी करते हैं। उनके हालात देखकर के मुझे सवा सेर गेहूं की कहानी याद आती है। आखिर, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से इनका कितना उद्धार हो रहा है?

इस वर्ष मेरे तीन करीबी लोगों की बेटियों की शादी थी। सभी ने माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से लाखों कर्ज़ लेकर शादी में अपनी क्षमता से बढ़कर खर्च किया। आज सभी महीने के पंद्रह से बीस हजार किस्त भर रहे हैं जबकि सभी दिहाड़ी मजदूर हैं। इसके अतिरिक्त जो उन्होंने रिश्तेदारों से कर्ज़ लिए सो अलग हैं। भारत में दिहाड़ी मजदूरी कितनी हैं इससे आप सब वाकिफ हैं। परिणामस्वरुप आज तीनों परिवारों के बच्चों को इस वर्ष अपनी शिक्षा रोकनी पड़ी हैं। गरीबों के घर के बच्चे जब शिक्षा छोड़ते हैं तब उन्हें फिर शिक्षा की तरफ मोड़ पाना कितना मुश्किल होता है यह बात एक सामाजिक व्यक्ति अच्छी तरह समझ सकता है। जबकि यह शिक्षा ही गरीबों के जीवन परिवर्तन की आखिरी उम्मीद होती हैं। फिर शुरू होता है मजदूरी का कुचक्र और धीरे धीरे इन परिवारों के बच्चे शिक्षा से विमुख होकर अपने माँ बाप की मदद के लिए उनके काम में मदद करने लगते है। ऐसी परिस्थिति में उनका बहकना स्वाभाविक होता है और किशोरवस्था में मोबाइल अतिक्रमण का शिकार हो चुके होते हैं। ऐसे में वे अपना शौक पूरा करने के लिए फाइनेंस कम्पनियों से मोबाइल फाइनेंस करवाते हैं जो वे इनके माँ के नाम से पास भी कर देते हैं और इस तरह एक गरीब बच्चा उस किस्त को चुकाने के लिए छोटी मोटी मजदूरी या दिहाड़ी करने लगता हैं। इस तरह इन बच्चों को पुनः शिक्षा की तरफ लाना माँ बाप के लिए मुश्किल हो जाता है। आज लाखों अभिभावक इस समस्या से जूझ रहे हैं।

एकरिपोर्ट के मुताबिक आज भारत पर 711.8 अरब डालर क़र्ज़ है यानि भारत का प्रत्येक नागरिक लगभग बयालिस हजार के कर्ज में डूबा है। कहने के लिए तो ये कम्पनियां महिलाओं को व्यवसाय के लिए कर्ज़ देती हैं पर आजादी के बाद से भारत सरकार भी ये कार्य करती आ रही हैं और 90 के दशक से ये कम्पनियां भी फिर आखिर गावों से हर दिन सैकड़ों के झुंड में जो लोग मजदूरी करने जाते हैं ये लोग कौन हैं? दिल्ली-मुंबई की ट्रेनों में ठूंस-ठूंस कर जाने वाले और फैक्टरियों में कमाने वाले कौन हैं जब इतने सारे व्यवसाय के लिए लोन बाँटे जा रहे है? आज देश में सैकड़ों फाइनेंस कंपनियां महिलाओं को कर्ज़ बाँट रही हैं और इनका रिकवरी दर 98त्न हैं जबकि सरकारी बैंके उलटे कर्ज़ में हैं ऐसा क्यों? दरअसल ये कम्पनियां लोगों को हर तरह का कर्ज़ देते हैं। एक परिवार को जो जरूरतें हैं वह सब ये किस्त पर बाँटती हैं जैसे टीवी, कूलर,मोबइल, बाइक, गैस सिलिंडर इत्यादि और हर सप्ताह कर्जदारों के घर जाकर वसूलती हैं। यदि किसी दिन कर्ज़दार समय पर अपनी किस्त देने में अक्षम होता हैं उस दिन इनके वसूलीकर्ता कर्ज़दार के घर पर डेरा डाल देता हैं। अंततः मारे शर्म के कर्ज़दार एक कर्ज़ चुकाने के लिए अपने गहने, बर्तन गिरवी रखकर अपना किस्त भरता हैं। देखते ही देखते पूरा परिवार मजदूरी करने लगता है पर कर्ज़ इनका पीछा नहीं छोड़ता। ऐसी स्थिति में कुछ लोग अपना घर छोड़ देते हैं या फिर आत्महत्या कर लेते हैं।

दरअसल फाइनेंस कम्पनियों का दावा है कि हम साहूकारी से निजात दिलाने के लिए यह सेवा कर रहे है परन्तु आज देखा जाए तो यदि साहूकारी जहर था तो सामूहिक कर्ज़ मीठा जहर बन चुका है। इन कंपनियों की कामयाबी के पीछे का सबसे बड़ा सच ये है कि इन्होंने जिन्हें अपना कर्मचारी बनाया है यह लोग भी इन्हीं परिवारों के बीच के ही होते हैं। ये युवा बमुश्किल 12 वीं पास या स्नातक होते हैं जो कि 'साहब' बनने का सपना देख रहे होते हैं और ये कंपनियां इन्हें न्यूनतम तनख्वाह पर इनको साहब बनाकर उनके ही लोगों पर वसूली करने के लिए मैदान में छोड़ देती है जहां इनका शारीरिक और मानसिक हर तरह का शोषण होता है। इन कार्यकर्ताओं को कंपनियों की सख्त हिदायत होती है कि यह फील्ड में जब वसूली के लिए निकले तब बिना वसूली किए ऑफिस में वापिस नहीं आएंगे और ये बेचारे सुबह के निकले शाम रात तक वसूली करते रहते हैं। कभी-कभी इन्हें रात भर कर्ज़दारों के घर भी रुकना पड़ जाता है। इन कंपनियों की नीतियों को देखेंगे तो बिल्कुल अंग्रेजी हुकूमत से मेल खाती हुई दिखती है। इनके कार्यों पर सरकार को सख्त नजर रखने की जरूरत है क्योंकि इनके कृत्य अमानवीय और क्रूर होते जा रहे हैं जिस पर आए दिन सोशल मीडिया पर भी वीडियो आपको देखने को मिलते होंगे।

हमारी सरकार बाजार और खरीददारी देखकर देश के विकास का आकलन करती हैं। आज 300 की दिहाड़ी करने वाला अपनी बेटी की शादी में पांच लाख खर्च कर रहा हैं, उसके घर में स्मार्ट फोन हैं, डिजिटल टीवी हैं, वह बाइक से मजदूरी करने जा रहा हैं। दिवाली, होली, नवरात्र धूम से मना रहा हैं पर पांच किलो राशन न मिले तो शायद उन्हें भूखा रहना पड़े, सरकारी आवास न मिले तो वे बेघर हो जाएं। आखिर यह कैसा विकास हैं? दहेज़ एक बड़ी चुनौती हैं। हमारे देश में पूर्वी भारत के ज्यादातर गरीब इसी दल दल में फंसे हुए हैं। आज एक पिता को अपनी बेटी ब्याहने के लिए कम से कम एक बाइक की व्यवस्था करनी पडती हैं जिसे इस समाज में एक साधारण बात मानकर स्वीकार कर लिया गया हैं। मैं दावे के साथ कहता हूं कामगार परिवारों में 80 प्रतिशत बाइक दहेज़ की हैं। जाहिर हैं जब एक व्यक्ति बेटी को बाइक देगा तब बेटे की शादी भी बिना बाइक के नहीं करेगा। फिर टीवी, अलमारी, फ्रिज जो कभी वह अपनी कमाई से नही खरीद सकता वह अपनी जरूरतें ऐसे ही पूरा करता हैं जिसके लिए बाजार हर प्रकार से तैयार खड़ा है। दरअसल, पूरा बाजार, पूरी सरकार इनके दम पर खड़ा है। ये सिर्फ इनके के लिए भीड़ मात्र हैं। इनकी जिंदगी किस्तों में बंट चुकी हैं। एक तरफ सरकार इन्हें राशन की लाइन में खड़ी कर रही हैं, दूसरी तरफ व्यापारी इनके दरवाजे पर किस्तों के लिए खड़े हैं, शिक्षा और विकास का दरवाजा इनके लिए बंद हो रहा हैं। आजादी पश्चात् से लेकर 2013 तक भारत पर 55 लाख करोड़ कर्ज़ थे। 2013 से 2024 तक यह कर्ज़ 255 लाख करोड़ में तब्दील हो चुका है। भूख की वैश्विक सूची में हम अपने पडोसी देशों से भी नीचे हैं। वास्तविक विकास ये हैं और ये तब हैं जब देश की सम्पत्ति बेची जा रही हैं। एक परिवार का हर वह सदस्य जो किशोरवस्था से ऊपर हैं किसी न किसी प्रकार की मजदूरी से जुड़ा हुआ हैं। बाज़ारीकरण ने निम्न वर्ग के लोगों की सोचने समझने की शक्ति छीन ली हैं। शायद ऐसी ही परिस्थितियों के लिए टालस्टाय ने कहा हैं कि 'हम सब कुछ करने को तैयार हैं सिवाय गरीबों के पीठ से उतरने के।'

आप ना समझें तो मेरी क्या गलती?

कटाक्ष

प्रकाश हेमावत

लेखक व्यंग्यकार हैं।

इस जमाने में बीमा किस-किस का नहीं होता मेरे भाई साहब, सबसे पहली बात तो यह है कि आज़ की तारीख में बीमा हर चीज का हो जाता हैं। बीमा करवाने वाला होना चाहिए बीमा आज की आवश्यकता बन गई है यह कहना कतई गलत नहीं होगा।

अरे बीमा एजेंट भैया ऐसे लालच मुझे मत दिखाओ। जिंदगी भर काम करो और मरने के बाद घर वाले बीमा लाभ लेकर आराम करें। अपना पेट काटूं, भूख मार मार कर, ख़र्चा बचा बचा कर बीमा भरूं और मजे ले परिवार। एजेंट बाबू मैं तुम्हारे जाल में फंसने वाला नहीं हूं। एजेंट बाबू मैं तुम्हारी हर शर्त, चाल को समझ चुका हूं। तुम नेताओं की तरह मुझे लालच दे रहो लेकिन मैं तुम्हारे लालच में फंसने वाला नहीं हूं।

अरे बाबाजी, जो अच्छा लगे वह करो मैंने तुम्हें कब रोका। मैं तो तुमको बता रहा था कि ये आपके फायदे की बात है। चलो कोई बात नहीं, आप बीमा मत करवाइए। मुझे इसकी शिकायत नहीं। मेरा काम था आपको समझाना आप न समझे तो मेरी क्या गलती? एक बात कहूं बाबाजी आपने यह जो कीमती और खूबसूरत इम्पोर्टेड जूते पहन रखे हैं और वो घर के कोने में चप्पल दिखाई दे रही उनकी अनुमानित कीमत मेरी नज़र में कम से कम 30 से 40 हजार है। आपके पास ऐसी कई जोड़ी जूते और चप्पल है। ऐसे ही जूते चप्पल कई हीरो हीरोइन और खिलाड़ी पहनते है। इस नाते आप के जूते चप्पल का बीमा करवाना चाहिये। अब आप ही बताइए कैसी रहेगा मेरी योजना? आप मेरी बात का विश्वास करें या ना करें। खुदा ना खास्ता, भगवान ना करें अगर आप किसी महफ़िल में या फिर किसी कार्यक्रम में पहुंचे और आपको जूते उतार कर रखने पड़े और वह जूते, चप्पल चोरी हो जाए, कोई उठा कर ले जाए, तब? कोई चोरी कर जाया तो आप क्या करेंगे? आपके दिल पर क्या बीतेगी? फिर आपको मेरी बात याद आएगी कि अगर में जूते चप्पलों का बीमा करवा लेता तो मुझे इतना बड़ा नुकसान नहीं उठाना पड़ता। यह सोचते सोचते तुम इन जूते के गुमने या चोरी की रिपोर्ट अगर किसी थाने में दर्ज करवाओगे तो आपकी रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी क्योंकि पुलिस थाने में किसी को पहचाना नहीं जाता है; बस लक्ष्मी नारायण के अलावा। और आप अच्छी तरह से जानते हैं कि पुलिस की कार्यशैली किस अंदाज में होती है। समझ गए ना मैं क्या कहना चाहता हूं?

अरे एजेंट बाबू आप मुझे इस तरह से डरा रहे हो? धमका रहे हो? या फिर बता रहे हो? एजेंट बाबू आप जिस अंदाज में बात कर रहे हो उसे देखकर तो मुझे ऐसा ही लगता है कि जूते चप्पल तो चोरी जब होना होंगे तब होंगे लेकिन तुम मेरा ब्लड प्रेशर क्यों बढ़ा रहे हो? कुछ मिलाकर मेरे जूते चप्पल का बीमा करना चाहते हो? यह तुम्हारी तरफ से तय है बस मेरी अनुमति की जरूरत है और तुम्हारी तरफ से जूते चप्पल की गारंटी भी हो जाएगी। वैसे भी एजेंट बाबू इस समय जिसे देखो वह गारंटी की बात कर रहा है और आप भी गारंटी की बात कर रहे हैं वह इसलिए कि तुम्हारी रणनीति किसी राजनीति की तरह नहीं होती है। तुम्हारी कार्यशैली तो जवाबदारी, जिम्मेदारी और ईमानदारी की तरह होती है; एजेंट बाबू आप ऐसा ही कहना चाहते हैं?

बाबाजी, आप समझ गए मैं क्या कहना चाहता हूं? अरे क्या बात है सर जी आप मेरी बात मतदाता की तरह समझ गए कि जनता जनार्दन क्या चाहती है?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

खो गया कवि वाला बसंत

चंचल पग दीप-शिखा-से धर,गृह मग वन में आया बसंत। महाकवि पंतजी की बसंत पर थोड़ी सी कविताएँ क्या पढ़ ली कि बसंत की तरंग कवि के तन-मन में भर गयी। जब कविताओं का नशा-सा छाने लगा तो उसमें किसी से इसको शेयर कर जी हल्का करने का इच्छा जाग उठी। गृह में तो सीमेंट और मार्बल पसरा था। मग में वाहनों की चिल्ल-पौं का शोरगुल था। वन की झलक दूर-दूर तक नहीं थी। पास में थी तो बस कवि की पत्नी जो गेहूँ साफ कर रही थी। एक घंटे बाद फ्लोर मिल पर डालकर आने का अल्टीमेटम दे चुकी थी। कह रही थी कि कवि से शादी भूलकर भी नहीं करना चाहिए। ये लोग काम कम करते हैं गुनगुनाते ज्यादा हैं।

निराश होकर कवि थोड़ा घर से बाहर निकला तो सड़क के उस पार अपने क्लिनिक पर बैठे बंगाली डॉक्टर साहब उबासी लेते नजर आए। सो कवि उधर चल दिया,बोला-'उदासी छोड़ो,डॉक्टर साहब ! बसंत ऋतु आ गई है। बनन, में बागन में,कानन में,उपवन में, आँगन में सब जगह बसंत छाया है...।' 'डॉक्टर साब चौंके–''काहे का बसंत छाया है,कविजी। हाँ मौसम पलटा जरूर है पर धंधा मंदा चल रहा है। इस मौसम में तो मरीजों की लाइन लगी रहती थी,पर इस बार पता नहीं क्या हो रहा है ? सुबह से फ़क़त दो मरीज आए हैं। छाया होगा सब जगह बसंत हमारे क्लिनिक में तो मरीजों के आने से बहार आती है।

उधर से नत्थू आता दिखाई दिया,बोला-'क्या हुआ कविजी,कैसे आज इतने खुश दिखाई दे रहे हो। कविजी खिलखिलाये- ''कुछ नहीं नत्थू, डॉक्टर साहब को बसंत के बारे में बता रहा था।'

'अच्छा ! वही बसंत,जो शादियों के सीजन में बुफे का ठेका लेता है ? वह तो सीजन खत्म होते ही सीधे गाँव चला जाता है। फिर सीजन शुरू होते ही वह गाँव से वापस शहर में आ जाता है। मैं खुद उसकी लेबर में ही शामिल हूं। बसतं जरूर आएगा और किसी मनोहारी मैरिज गार्डन में किसी मध्यबम या उच्चवर्गीय बंदे की शादी में बम्पर रोजगार मेला लगवाएगा।

केटरिंग,हलवाई,टेंट,चाय-कॉफी,पानी-पतासी,आइसक्रीम आदि का धंधा करने वाले सब एक ही छत के नीचे रोजगार का आनंद ले रहे होंगे। खाने-पीने का आनन्द भी हम रोजगार के लिए गए लोग उनके निमंत्रित रिश्तेदारों से कम नहीं लेते,सो तो बोनस में है। लख-लख धन्यवाद ईश्वधर को,जो खर्चीली शादियों का चलन चलवाता है और पैसा अमीरों की जेब से रिस-रिस कर हम गरीबों की जेब में आ जाता है। इसलिए बसंत के गाँव जाते ही मै उदास हो जाता हूँ, उसके शहर में आते ही मैं खिल उठता हूँ''-नत्थू बोले जा रहा था।

कवि हँसने लगा बोला- 'नत्थू तुमसे तो बात करना ही बेकार है। मेरे पड़ौस में तेरे बजाए कोई कवि होता तो बसंत के बारे में उसके साथ मैं दो बात तो कर लेता। हम कवियों का बसंत तुम्हारे बसंत ठेकेदार से अलग है। मैं पेड़-पौधों और कुदरत में छा रहे बसंत के मौसम की बात कर रहा हूँ।

नत्थू बोला-''तो इसके बारे में पहले बताया होता न ! मैं आपको राय साहब के रिसोर्ट-बसंत विहार में ले चलता,जहाँ ये सब चीजें मौजूद हैं। मै तो एक बार वहाँ मजदूरी करने गया था। तब वहाँ का नजारा देखा था। रंग-बिरंगे फूलों वाले तरह-तरह के फूलदार पौधे, आम, गुलमोहर, पलाश और कचनार के पेड़। उन पर मंडराते भौंरें और तितलियाँ। कूकती कोयल,स्वीमिंगपूल,सेल्फी कॉर्नर,लंच और डिनर साइड और भी बहुत कुछ। मैं तो कहता हूँ जब तक बसंत है आप तब तक वहीं प्रवास करलो। एक-आध कविता संग्रह तो तैयार हो ही जाएगा। अन्यथा चिल्लाते रहो यहीं बसंत-बसंत। यहाँ सीमेंट और कंकरीट के जंगलों में, भागती-दौड़ती जिंदगी की आपाधापी में कहाँ बसंत है। आठ घंटे रूकने के मात्र चार हजार रुपए जरूर लगेंगे। पर घर वापस आने का मन नहीं करेगा।

चार हजार रुपए प्रति आठ घंटों के गणित की बात सुनते ही कवि के चेहरे पर पतझड़ छाने लगा। होंठों की कलिया कुंद हो गई। गीत की गुनगुनाहट बेछंद हो गई। आँखों की चमक मंद हो गयी। चेहरे पर बैठी मक्खी को उड़ाते हुए कवि बोला- क्या बसंत इतना महंगा हो गया हैं ? क्या बसंत भी आम आदमी को छोड़कर पूंजीपतियों की गोद में जा बैठा है। यह तो समाजवाद के साथ सरासर धोखा है। हम इसके खिलाफ आवाज उठाएँगे।'' कवि गहरी चिंता में डूब गया।

'तो रिसोर्ट में कब जा रहे हो महोदय ? 'मौन को तोड़ते हुए नत्थू ने झकझोरा तो कवि ने कहा-'अभी नहीं नत्थू, अभी तो मैं कवियों की बसंत पर लिखी बहुत सी कविताएँ पढ़नी बाकी है। फिलहाल कवि घर के लिए रवाना हो गया।

दृष्टिकोण

डॉ. ललित कुमार

लेखक इन्वर्टिस विश्वविद्यालय बरेली में पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष हैं।

सोचने पर मजबूर करता है महिलाओं के साथ दकियानूसी व्यवहार

महिलाओं के सम्मान में हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाना एक खुशी की बात है। इस वर्ष महिला दिवस की थीम एक्सीलरेशन एक्शन रखी गई जिसका अर्थ है 'कार्रवाई में तेजी लाना'। मैं इस वर्ष की थीम को पढ़कर थोड़ा आश्चर्यचकित जरूर हुआ कि आखिर कौन-सी कार्रवाई में तेजी लाने की बात कही जा रही है? तेजी क्या महिलाओं पर होने वाले जुर्म के खिलाफ न्याय दिलाने में या महिलाओं को पढ़ने लिखने की प्रति ओर ज्यादा सशक्त बनाने में, समाज की महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी सोच को बदलने में या वंचित समाज की महिलाओं पर होने वाले अत्याचार, यौन, उत्पीड़न और दुराचार जैसे मामलों पर रोक लगाने में आदि। कुछ ऐसे सवाल, जो मुझे सोचने पर मजबूर कर रहे थे।

महिला दिवस पर सावित्रीबाई फुले को याद करना, मैं समझता हूं उनको एक दिन याद करने और सम्मान देने का दिन नही होना चाहिए, बल्कि समाज को रोजाना स्त्री पर गर्व और स्वाभिमान के तौर पर देखा जाना बेहद ज़रूरी हैं, जिन्होंने लड़कियों को चारदीवारियों से बाहर निकालने और उन्हें शिक्षित बनाने के लिए जो बीड़ा उठाया। उसकी कर्जदार सभी महिलाएं है। भारत में महिलाओं के लिए सावित्रीबाई फुले ने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर पहला स्कूल खोला। महिलाओं को स्कूल तक ले जाना उस समय सबसे बड़ी चुनौती हुआ करती थी। आज हम 21वीं सदी में हैं, दुनिया जब डिजिटल डिवाइड गैप को खत्म करने की बात कह रही है। फिर भी हम देखते हैं कि कई ऐसे क्षेत्र, जहां लड़कियों को अभी भी पढ़ने के लिए घर से नहीं निकलने दिया जाता। सावित्रीबाई ने उस दौर में इन चुनौती को स्वीकारा और संघर्ष करते हुए सभी से अपनी बच्चियों को स्कूल भेजने का आह्वान किया। दकियानूसी समाज उनका मजाक उड़ाते और अपमानित करते। वे जब पढ़ाने निकलती तो उनके ऊपर कीचड फेंका जाता, गोबर फेंका जाता। मगर इन सबकी परवाह किये बगैर वे डटी रहती। धीरे-धीरे लोगों ने शिक्षा के महत्त्व को समझा और पढ़ने के लिए उत्सुक हुए। वे भारत में महिला विद्यालय की पहली शिक्षिका बनी। उन्होंने महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण प्रयास किये। वे नारी मुक्ति आंदोलन की पहली नेता बनीं। जिस पर उन्होंने लिखा-

जाओ जाकर पढ़ो-लिखो
बनो आत्मनिर्भर, बनो मेहनती
काम करो-ज्ञान और धन इकट्ठा करो
ज्ञान के बिना सब खो जाता है
ज्ञान के बिना हम जानवर बन जाते हैं
इसलिए, खाली ना बैठो, जाओ, जाकर शिक्षा लो
दमितों और त्याग दिए गयों के दुखों का अंत करो
तुम्हारे पास सीखने का सुनहरा मौका है
इसलिए सीखो और जाति के बंधन तोड़ दो

हाल ही में मथुरा में दलित समुदाय की दो बहनें जो अपनी शादी के दौरान ब्यूटी पार्लर से लौटते वक्त कुछ असामाजिक तत्वों ने उनको गाड़ी से नीचे उतारकर मारा पीटा और बारात में जाकर दूल्हा-दुल्हन पक्ष के पिता साथ मारपीट की घटना बड़ी तेजी से वायरल हुई, जोकि बहुत ही शर्मनाक और घिनौनी भी है। जिसको लेकर एक बार फिर से बेटियों की सुरक्षा और न्याय के प्रति समाज का विश्वास अब धीरे-धीरे उठता जा रहा है। यह एक घटना नहीं है, ऐसी कई घटनाएं हैं, जो सीधे महिलाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाती है। डिजिटल इंडिया की दहलीज पर खड़ा भारत विश्व गुरु बनने का सपना देखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। लेकिन समाज में महिलाओं के प्रति नकारात्मक सोच रखने वाला समाज इस दकियानूसी सोच का अभी भी शिकार है।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2015 से 2020 तक वंचित समाज की महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में 45 फ़ीसदी की वृद्धि देखी गई है। यानी इससे साफ पता चलता है कि महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ 10 घटनाएं रोजाना होती है। द हिंदू अख़बार की रिपोर्ट बताती है कि सरकार में सचिव काकी सुनीता ने एनसीआरबी के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की स्थिति उत्तर भारतीय राज्यों की तुलना में बेहतर है। उन्होंने आगे बताया कि दक्षिणी राज्यों में दलित स्त्री शक्ति (DSS) वंचित समाज की महिलाओं पर किसी

भी प्रकार के अत्याचार को रोकने के खिलाफ हमेशा उनका डटकर सामना कर रही है।

नवभारत टाइम्स की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2024 में महिला अपराध की 25,743 शिकायतें मिलीं। इनमें सबसे ज्यादा 24 फ़ीसदी 6,237 घरेलू हिंसा से जुड़ी है। जबकि सम्मान के साथ जीने के अधिकार की शिकायतें सबसे ज्यादा हैं, जिनका आंकड़ा 28 फ़ीसदी है। दहेज उत्पीड़न की शिकायतें 17 फीसदी 4,383। जबकि दहेज हत्याओं की 292 शिकायत दर्ज हुई। राष्ट्रीय महिला आयोग हर साल जो आंकड़ा जारी करता है उसमें कुछ न कुछ ऐसे तथ्य भी उजागर होते है, जो यह बताते है कि महिलाएं अब अपनी चारदीवारी के भीतर भी सुरक्षित नहीं रह पाती है। क्योंकि सम्मान के साथ जीने का अधिकार अब उनके लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। दहेज-उत्पीड़न की शिकायतें बताती है कि यह आंकड़ा लगातार बढ़ता ही जा रहा है, जिन पर शिकंजा कस पाना एक बड़ी चुनौती है।

वर्ष 2024 की कुल शिकायतों का ग्राफ थोड़ा कम जरूर हुआ है, लेकिन यह संख्या कोविड से पहले के सालों की तुलना में ज्यादा है। वर्ष 2019 में 19,730 शिकायतें दर्ज थी, जो वर्ष 2020 में बढ़कर 23,722 हो गई। कोविड के दौरान वर्ष 2021-2022 में यह 30,000 से ज्यादा रही। वर्ष 2023 में थोड़ी गिरावट जरूर देखी गई, लेकिन शिकायतों की संख्या में होनी वाली बढ़ोतरी बताती है कि महिलाओं पर उत्पीड़न होने का सिलसिला रुकता क्यों नहीं? देश का सबसे बड़ा सूबा उत्तर प्रदेश महिला उत्पीड़न की शिकायत मिलने के मामलों में सबसे ऊपर है।

महिला दिवस पर महिलाओं के सम्मान को याद करना केवल एक दिन याद करने का नहीं है। बल्कि हमें अपनी कथनी और करनी में भी फर्क लाना होगा। साथ ही अपनी सोच में परिवर्तन लाकर एक नई दिशा एवं रोशनी की ज्योति जलानी होगी। महिलाओं पर होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसा और उत्पीड़न का सामना करना होगा।

भूमिका

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

'भीख मांगने' वाले बयान के पीछे भावना गलत नहीं थी

मध्यप्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल के 'भीख मांगने' सम्बन्धी हालिया बयान पर कांग्रेस के जो बवाल खड़ा करने की कोशिश की है, उस बयान के पीछे मंत्री की भावना गलत नहीं थी। आजकल यह प्रथा सी हो गई है कि भी व्यक्ति के कथन को बिना ''पूरे संदर्भ' और भावार्थ के तोड़ा मरोड़ जाता है, ताकि अपनी राजनीति चमकाई जा सके। इसी होड़ में कई बार राजनेता एक दूसरे को राष्ट्रविरोधी और समाज विरोधी तक कह डालते हैं। किसी भी बयान पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगाना एक राजनीतिक फैशन हो गया है? बहरहाल मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के राजगढ़ जिले के सुठालिया ग्राम में उनके सामाजिक (लोधी समाज के) सम्मेलन में किए गए कथन को समग्रता में देखना जरूरी है।

मंत्री पटेल ने कहा था कि 'आज लोगो को समाज से लेने की आदत हो गई है, अब तो लोगों को सरकार से ''भीख'' मांगने की भी आदी हो गए हैं। नेता आते हैं, एक टोकना (टोकरी) तो कागज मिलते हैं उनको। मंच पर माला पहनाएंगे और एक पत्र पकड़ा देंगे। यह अच्छी आदत नहीं है। लेने की बजाय देने का मानस बनाएं। मैं दावे से कहता हूं, आप सुखी होंगे और एक संस्कारवान समाज को खड़ा करेंगे' 'शहीदों का सम्मान इनके सिद्धान्तों को अपनाकर बनाना चाहिए।' उन्होंने कहा 'कोई शहीद कभी किसी से कुछ नहीं मांगता।

जिस मंच से उक्त बात कही गई, उस सामाजिक मंच की परिस्थितियों व विषय को ध्यान में रखकर विचार करेंगे, तो जिन लोगों के लिए प्रहलाद पटेल का यह संदेश था, उन कथनों के पीछे जो भावनाएं थी, क्या वे मूलतः गलत है? उनके कहने का तरीका कड़वा जरूर हो सकता है? क्योंकि 'सच हमेशा कड़वा होता है,' परंतु जो कुछ प्रहलाद पटेल ने कहा, वह हमारी प्रवृत्ति अब आम होती जा रही है और यह वास्तविकता है। क्या कोई इससे इनकार कर सकता है? प्रह्लादजी सिर्फ हमारी प्रवृत्ति का उल्लेख करने तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होने उसे सुधारने की जोरदार तरीके से बात की। जब वह आगे शहीदों का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि 'आप एक संस्कारवान समाज को खड़ा करेंगे,''तो इसके पीछे जो छुपी

भावना है और कथन का जो भावार्थ है, वह यही है कि व्यक्ति को हमेशा स्वाभिमानी व स्वावलंबी होना चाहिए। इसीलिए लोग लेने की बजाए देने का मन बनाएं।

प्रहलादजी अपनी बात दबंगता से रखते हैं। वह अपनी बातों को बिना लाग लपेट के और सामने वाली की प्रतिक्रिया की चिंता किए बिना न केवल रखते हैं बल्कि उस पर तब तक कायम रहते हैं, जब तक कि उन्हें स्वयं यह महसूस नहीं हो जाता है कि उनका कथन सही नहीं है द्य प्रहलाद भाई की यह पहचान, उक्त मामले में भी परिलक्षित है।

प्रहलाद पटेल के बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता मुकेश नायक का यह बयान कि ''लोकतंत्र में जनता भगवान होती है, लेकिन भाजपा उसे भिखारी कह रही है', कहीं न कहीं उसे राजनीतिक रंग (होली का मौसम आ रहा है) देना है। इस मुद्दे पर कांग्रेस का आंदोलन करना समझ से परे है। यह कांग्रेस की दिशा हीनता दिखती है।

क्योंकि मुफ्तखोरी योजनाओं को लेकर जो कांग्रेस प्रह्लाद पटेल पर हावी होने का प्रयास कर रही है, वह इस बात को भूल जाती है कि प्रहलादजी ने तो कांग्रेस द्वारा प्रणीत रोजगार देने वाली 'मनरेगा योजना' को बल प्रदान किया था। 'मनरेगा'' एक ऐसी रोजगार योजना है, जहां पर काम के बदले पहले अनाज और बाद में कुछ निश्चित दिनों (100 दिनों तक) का रोजगार दिए जाने की व्यवस्था है। मतलब आपको मुफ्त की राशि नहीं दी जा रही है, अर्थात मुफ्त खोरी का आदत नहीं डाली जा रही है। बल्कि आपके सम्मान की रक्षा के खातिर आपको कुछ निश्चित दिनों का रोजगार देकर कार्य के बदले मजदूरी, मेहनत की राशि देकर स्वावलंबी बनाने का सरकार का यह प्रयास है।

उल्लेखीनीय है कि 'भीख' शब्द की जड़ें संस्कृत के 'भिक्षा' से जुड़ी हैं, जिसका अर्थ है ''दान मांगना।' प्राचीन काल में भिक्षु और साधु भिक्षा मांगते थे। यह एक सम्मानजनक परंपरा थी। लेकिन आज के दौर में इसका अर्थ बदल गया है और इसे अपमान के तौर पर देखा जाता है। अब रेवड़ी और भीख में अंतर क्या है? दोनों में मुफ्त पैसा मिलता है। एक में सरकार द्वारा निश्चित राशि निश्चित अंतराल पर दी जाती है, तो दूसरे में जनता द्वारा अनिश्चित राशि अनिश्चित अंतराल पर दी जाती है। चूंकि रेवड़ी से वोट मिलता है, इसलिए उसे लोकतंत्र में जायज ठहरा दिया जाता है। चूंकि भीख से वोट नहीं मिलता है, इसलिए भोपाल में उस पर कानूनी प्रतिबंध लगा दिया जाता है।

पुस्तक चर्चा

आशीष दशोत्तर

समीक्षक

घनघोर अंधेरे में सूरज उगाने की ताकत देती कविताएं

यह दुनिया अब इतनी आसान नहीं रही जितनी आसान कभी समझी जाती थी। समय अपने तेवर बदल रहा है। अपनी चाल बदल रहा है। अपनी चालबाजियां दिखा रहा है और मनुष्य को मनुष्यता से दूर करने की कोशिश कर रहा है। आप किसी दिन सुबह उठते हैं और देखते हैं कि कोई बसंत का गला घोंट रहा है। कभी सावन को कोई अपनी हदों में क़ैद करने की कोशिश कर रहा है। आप महसूस करते हैं कि बहती हवाओं की सांसें ख़त्म करने की कोशिश की जा रही है। हमारे चारों ओर एक ऐसा घेरा बनाया जा रहा है जिसमें हम न चाहते हुए भी क़ैद हो रहे हैं। इन सबको देखते हुए मनुष्य का घबराना स्वाभाविक है। और जब एक मनुष्य संवेदनशील हो तो उसका विचलित होना और अधिक लाज़मी हो जाता है।

एक कवि के नज़रिए से इस दुनिया को अब संघर्षों की दुनिया माना जाए तो कोई ग़लत नहीं होगा। यह समय हमारी मुट्ठी से अब फिसल चुका है। इस समय के साथ जो विसंगतियां निरंतर जुड़ रही हैं वे विसंगतियां एक कवि की रचनाओं में निरंतर अभिव्यक्त हो रही हैं। उम्र के नौ दशक पर कर चुके वरिष्ठ कवि दुर्गा प्रसाद झाला अपनी अनुभव की आंखों से इन दृश्यों को साफ़-साफ़ देख रहे हैं। वे महसूस कर रहे हैं कि अब जीना उतना आसान नहीं रहा, प्रेम करना भी उतना आसान नहीं रहा। अपने अस्तित्व की रक्षा करना भी बहुत मुश्किल हो गया है। कमोबेश यह कहा जाए कि यह समय हमें ठीक से सांस लेने की इजाज़त ही नहीं दे रहा तो कुछ ग़लत नहीं होगा।

यह समय
आग पर चलने का समय है।
यह समय
सपने देखने का नहीं
सपनों को बोने का समय है।
यह समय
सबकी आंखों में ज्वाला जगाने का समय है।
यह समय
अंधेरे में सूरज उगाने का समय है।
यह समय
अपने हक़ के लिए लड़ने का समय है।

अपने ताज़ा कविता संग्रह 'समय से जूझता समय' मैं श्री झाला की चिंता महसूस की जा सकती है अपनी तकरीबन नब्बे कविताओं के ज़रिए उन्होंने इस वक्त की सुलगती हथेली पर अपना हाथ रखने की कोशिश की है। ख्वाहिश उनकी यही कि अपनी हथेली रखकर किसी हथेली पर जलती हुई आग को बुझा दिया जाए। एक रचनाकार का दायित्व भी यही होता है कि वह हर उस आंख को बुझाए जो समय के आतिशगरों ने समय की हथेली पर जला रखी है। एक रचनाकार इस दावानल को ख़त्म कर फिर से उम्मीद के सूरज को उगाना चाहता है और एक पवित्र सी नदी को बहाने की तमन्ना रखता है।

मैं अपनी कविता में
पूरा सूरज उगना चाहता हूं।
मैं अपनी कविता में
चांदनी की नदी बहना चाहता हूं।
मैं अपनी कविता में
मिट्टी की महक लाना चाहता हूं।
मैं अपनी कविता में
हवा को महकाना चाहता हूं।
मैं अपनी कविता में
जीवन लहराना चाहता हूं।

सवाल यह है कि इस समय को इतना विद्रूप बनाने वाले हैं कौन ? क्या इन चेहरों को कोई नहीं जानता, जो हमारे समय को ज़हरीला बना रहे हैं। हमारे रिश्तों के बीच एक दीवार खड़ी कर रहे हैं। हमें अपनों से पराया बना रहे हैं। हमारे बीच के सौहार्द्र को नफ़रतों में बदल रहे हैं। ऐसे तत्वों के चेहरे आपको अपने आसपास रोज दिखते हैं मगर मजबूरी यह कि यह समय उन चेहरों की तरफ़ उंगली उठाने की इजाज़त नहीं दे रहा। यह समय भक्त मंडली का है। यह चापलूसों के लिए बहुत उपयुक्त समय है और ऐसी प्रवृत्ति के लोग नफ़रत के सौदागरों को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके हौसलों को बुलंद कर रहे हैं। एक कवि की चिंता इस बदलते हुए समय की नब्ज़ पर उंगली रखने की है।

यह दुनिया ऐसी है
जहां दरबारियों की धूम है,
जहां अपनी भाषा बोलना
हत्या को आमंत्रण देना है।
यह दुनिया ऐसी है
जहां अपना कोई नहीं है
सब अकेले अपनी ही
अटपटी अनजानी राह पर डरते - डरते
चल रहे हैं।

आम इंसान के सामने मुश्किल यह है कि वह न तो ठीक से जी पा रहा है और न ही मर रहा है। न ही वह खुलकर हंस पा रहा है और न ही अपने आंसू बहा पा रहा है। न तो वह किसी से अपने दिल की बात कह पा रहा है और न ही वह किसी की झूठी बातों को निगल पा रहा है। इस पसोपेश में घिरे इंसान के साथ कवि दुर्गा प्रसाद झाला खड़े होकर उसके दर्द को महसूस करते हैं। वे उस इंसान के कांधे पर हाथ रख उसे आश्वस्त करते हैं कि यह समय बुरा ज़रूर हो मगर इस समय को बदलना हमें ही है। उनके भीतर का कवि उनके विश्वास को और अधिक मज़बूती से अभिव्यक्त करता है।

समय ही समय से जूझ रहा है
चारों ओर तलवारें तनी हैं
बीच में इंसान खड़ा है
चारों ओर बेईमान सिपाहियों की
फौज खड़ी है।
बीच में ईमान खड़ा है पहाड़ सा अडिग
चारों ओर हाहाकार का शोर है

बीच में संगीत की गूंज है।
चारों ओर भेड़ियों की भीड़ है
बीच में तनी हुई रीढ़ के साथ स्त्रियां खड़ी हैं
चारों ओर झूठे वादों की भरमार है
बीच में सत्य बोल रहा है पूरी दृढ़ता के साथ
ऐसे में समय ही समय से लोहा ले रहा है।

मुश्किल यह है कि हम इस वक्त एक ऐसे दौर से वाबस्ता हैं जो हमारी बुनियादी ज़रूरतों से हमें महरूम कर रहा है। जैसे हमारे बीच का प्रेम धीरे-धीरे ख़त्म हो रहा है। बाज़ारवाद ने हमारे परिवारों को तोड़ दिया है। अब रिश्तों में मिठास नहीं रही। औपचारिकताओं में सारे संबंध तब्दील हो गए हैं। ऐसे में प्रेम कहां रहा? हमारे बीच से घट रहे प्रेम को ढूंढ कर पुनः स्थापित करना आज की ज़रूरत है। कवि झाला भी प्रेम के इस परिदृश्य पर बहुत दुःखी हैं। वे चाहते हैं कि इस प्रेम को अगर हमने बचा लिया तो हमारे बीच कई सारी अच्छाइयां बची रहेगी।

बचे रहें वे शब्द
जिनमें प्रेम की महक होती है,
बची रहे वह ज़मीन
जिस पर हम खड़े हुए हैं,
बचा रहे वह पुरुषार्थ
जिसके कारण हम अपने अधिकार पाते हैं
बची रहे वह आवाज़
जिसे सुन आततायी कांपते हैं।
बची रहे वह करुणा
जो हमें दीन दलितों का साथी बनती है।
बची रहे वह कविता
जो जीवन की साखी होती है।

जीवन में अगर इस प्रेम को हमने बचा लिया तो पूरे जीवन को बचाने के समान है। एक कवि की कल्पना सदैव समाज को प्रेम से युक्त रखने की होती है। वह चाहता है कि कलकल करती बहती नदी अपने प्रेम के स्पर्श से सारी ज़मीन को ऐसे ही पवित्र बनाती रहे। उसकी सांसों से हर घर आंगन की सांसें जुड़ी रहें। उसकी हर बूंद पूरी ज़मीन में प्रेम के कण बिखरा दे।

नज़ीर अकबराबादी कहते भी हैं -
सरसब्ज़ रखियो किश्त को ऐ चश्म तू मिरी,
तेरी ही आब से है बस अब आबरू मिरी।

इस आबरू को बचाने की चाहत रखता कवि हर एक गुलशन में खिलते फूल से अपेक्षा करता है कि वह अपनी महक दूर-दूर तक पहुंचाएं। वह चाहता है कि एक स्त्री अपने प्रेम के माध्यम से पूरे परिवेश को प्रेमिल बना दे। समय के ख़िलाफ़ जाते हुए कवि झाला इसी प्रेम करती स्त्री की संवेदनाओं को बचाना चाहते हैं।

प्रेम करती लड़की में
हरियाली होती है,
प्रेम करती लड़की में
माटी की महक होती है,
प्रेम करती लड़की में
नदी की तरंग होती है,
प्रेम करती लड़की में
सौंदर्य की सृष्टि होती है।

परिस्थितियां जब विपरीत हैं तो क्या इन विपरीत परिस्थितियों के बारे में सिर्फ़ एक कवि ही जानता है ? ऐसा नहीं है। हर इंसान इन परिस्थितियों से वाक़िफ़ है मगर वह अपनी ज़रूरतों के आगे बेबस है। वह चाह कर भी कुछ नहीं कह पा रहा है। न कुछ बोल पा रहा है न ही कुछ समझ पा रहा है। कवि ऐसे लोगों को ही एकजुट करना चाहता है। वह चाहता है कि हमें अपनी अच्छाइयां नहीं छोड़ना है और हमें ही मिलकर फिर से एक अच्छे समय का निर्माण करना है।

हमें अपने सपनों को
साथ लेकर चलना है,
हमें अपनी मंज़िल की दिशा में
आगे बढ़ते रहना है।
हमें धर्म और जाति की श्रृंखला को तोड़कर
आदमी को आदमी बनाना है।
हमें नफ़रत की अंधेरी रात में
प्रेम का नया सूरज उगाना है।

बेशक समय से समय ही जूझ रहा है लेकिन इस समय को बदलना भी हमें ही है। एक नए सूरज को हमें ही उगाना है। अच्छाइयां कभी ख़त्म नहीं होतीं। अच्छाइयां बार-बार लौट कर आती हैं और यह विश्वास दिलाती हैं कि समय कितना भी विकट क्यों ना हो, उसका हल इस समय के पास मौजूद होता है। कवि दुर्गा प्रसाद झाला भी इसी विश्वास को व्यक्त करते हैं और यह संदेश देते हैं कि अच्छाइयों से प्रेम करने वाला, अच्छाइयों को चाहने वाला इस संसार को ख़ूबसूरती से लबरेज़ करने वाला, कभी जाता नहीं। वह बार-बार लौट कर आता है। बार-बार बुराइयों का प्रतिकार करता है और बार-बार अच्छाइयों की तरफ़ लोगों को प्रवृत करता है।

मैं लौटूंगा बार-बार
गाऊंगा गीत जीवन के,
मैं बार-बार लौटूंगा
बैठूंगा गुलमोहर के तले
और अपने प्रिय संग नहाउंगा
फूलों में बार-बार।
मैं लौटूंगा बार-बार
और भूखे पेटों को रोटियां खिलाऊंगा
मैं लौटूंगा बार-बार
और जीवन के हर राग रंग में
शामिल होऊंगा बार-बार।

कवि की यही जिजीविषा ही उसे सदैव उसकी जनपक्षधरता से जोड़े रखती है। कवि दुर्गा प्रसाद झाला की कविताएं अपने समय को उद्घाटित करते हुए कविताएं हैं। ये कविताएं किसी लोभ या लालच की कविताएं नहीं। ये कविताएं किसी के गुणगान की कविताएं नहीं बल्कि ये कविताएं साहस की कविताएं हैं।उम्र के इस मोड़ पर भी झाला जी अपनी पूरी ताक़त के साथ समय से जूझने की प्रेरणा दे रहे हैं, यह सुखद है।

समय से जूझता समय
कवि - दुर्गा प्रसाद झाला
प्रकाशक - अंतिका प्रकाशन, गाज़ियाबाद
मूल्य - 425/-

टेनिस में बैतूल के मोहित गर्ग बने चैंपियन

मध्यप्रदेश के नंबर वन खिलाड़ी यश विद्यार्थी को हराया

बैतूल। भोपाल के अरेरा क्लब में चल रहे इंट्रा क्लब टेनिस टूर्नामेंट में आज रविवार को बेहद रोमांचक मुकाबले में पहला सेट हारने के बाद वर्षों तक मध्यप्रदेश के नंबर वन खिलाड़ी रहे यश विद्यार्थी को हराकर वापसी करते हुए सुपर टाई ब्रेक में मोहित गर्ग ने खिताब जीत लिया। फाइनल स्कोर 3-6, 7-5 एवं 10-4 रहा। अभी ओपन डबल्स और लकी डब्ल्स के मुकाबले में भी सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुके हैं। मोहित गर्ग को जीतने पर आशीष पांडे, मनोज कुकरेजा, अतुल धूपड़, अजय खोसला, मनीष राय, रमेश गुप्ता, विभाष ठाकुर, डीएस राय, योगेश चौधरी, मनोज वर्मा, केके वर्मा, आरजी सोनी, वीके मिश्रा, सुरेंद्र सिंग, डॉ. सत्येंद्र गुप्ता समेत अरेरा क्लब के सभी सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। दोनों ही सेमीफाइनल मुकाबले 22 मार्च को खेला जाएगा। ज्ञात हो कि मोहित गर्ग बैतूल जिले के एकमात्र खिलाड़ी हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी टूर्नामेंट खेलते हैं और इस समय दुनिया के 433वीं रैंक पर विराजमान हैं।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2023 में जिले में 534 हेक्टेयर बढ़ा वनक्षेत्र

उत्तर और पश्चिम वनमंडल में घटा तो दक्षिण में 2704 हेक्टेयर बढ़ा वन क्षेत्र का रकबा

संजय द्विवेदी, बैतूल। जिले के उत्तर और पश्चिम वनमंडल में विकास कार्यों के चलते वन क्षेत्र का रकबा कम हुआ है। जबकि इसके विपरीत दक्षिण वन मंडल में 27.04 वर्ग किमी तक वन क्षेत्र का रकबा बढ़ा है। जिले के वन क्षेत्र की बात की जाए, तो बैतूल जिले में पिछले दो सालों में वन क्षेत्र का रकबा 5.34 वर्ग किमी तक बढ़ा है। उत्तर और पश्चिम वनमंडल के वन क्षेत्रों में जो कमी आई हैं उसका कारण इन क्षेत्रों में सडक़, डैम आदि कार्य होना बताया जा रहा है। इसके अलावा जंगल में अतिक्रमण होने के कारण भी वन क्षेत्र में कमी आई है। हालांकि वन विभाग द्वारा समय-समय पर जंगल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है। हाल ही में आई भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार बैतूल जिले में घना वन क्षेत्र का एरिया 466.71 वर्ग किमी में फैला है। इसमें मध्यम सघन वन क्षेत्र का एरिया 2330.68 वर्ग किमी बताया जाता है। जिन भूमि क्षेत्रों में पेड़ों का घनत्व 10 से 40 प्रतिशत के बीच होता है, उसे खुला वन कहते हैं। इसका रकबा जिले में 875.18 वर्ग किमी बताया जाता है। इस प्रकार घना वन क्षेत्र, मध्यम सघन वन क्षेत्र और खुला वन क्षेत्र का कुल रकबा 3672.57 वर्ग किमी बताया जाता है। कुल वनक्षेत्र 36.57 वर्ग किमी होना बताया गया है। पिछले दो सालों में 5.34 वर्ग किमी वनक्षेत्र में वृद्धि होना बताई गई है। वहीं झाड़ीदार जंगल 49.15 वर्ग किमी में फैला हुआ है। जिन्हें छोटे झाड़-बड़े झाड़ का जंगल भी कहा जाता है।

दक्षिण वनमंडल में बढ़ा 27.04 वर्ग किमी क्षेत्रफल

वन संपदा से परिपूर्ण बैतूल जिले में जहां उत्तर और पश्चिम वनमंडल में वनक्षेत्र का रकबा घटा है। वहीं दक्षिण वनमंडल में बीते दो वर्षों के दौरान 27.04 वर्ग किमी क्षेत्रफल बढ़ा है। ये हम नहीं कह रहे बल्कि हाल में ही केंद्र सरकार द्वारा वन सर्वेक्षण की वो रिपोर्ट कह रही हैं जिसमें जिले के कुल वन क्षेत्र में 5.34 वर्ग किमी की वृद्धि होना बताई गई है। लेकिन उत्तर और पश्चिम वनमंडल में विकास कार्यों के अलावा अवैध कटाई की वजह से सागौन का यह जंगल कम होता जा रहा है। वर्तमान में भी सागौन की अवैध कटाई और जंगलों में फैलते अतिक्रमण की वजह से वनों को काफी नुकसान पहुंच रहा है।

तीन मंडलों में बंटा जिले का वन क्षेत्र

बैतूल जिले में फैला वन क्षेत्र तीन वनमंडलों में बंटा हुआ है। इसमें उत्तर वनमंडल बैतूल, पश्चिम वनमंडल और दक्षिण वनमंडल का एरिया शामिल है। हाल ही में आई भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार जिले में दक्षिण वनमंडल का एरिया काफी बड़ा है। यह वनक्षेत्र 5,467.33 वर्ग किमी तक फैला हुआ है। जबकि पश्चिम वनमंडल 1913.91 वर्ग किमी और उत्तर वनमंडल 2543.40 वर्ग किमी तक फैला हुआ है। बताया गया कि बैतूल जिले के जंगलों में सागौन बहुतायत में है। इसका प्लांटेशन भी वन विभाग द्वारा किया जाता है।

भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट 2023 में जिले के वन क्षेत्र में 5.34 वर्ग किमी की वृद्धि होना दर्शाया है। वन संरक्षण के मामले में बैतूल जिले की स्थिति अन्य जगहों से बेहतर है। उत्तर और पश्चिम वनमंडल में विकास कार्य सडक़, डैम आदि के चलते रकबा घटा है।

-विजयानन्तम टी.आर.,
डीएफओ, दक्षिण वनमंडल बैतूल

सडक़ किनारे मिला पेंटर का शव

बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र में पाढर पुलिस चौकी के पास एक व्यक्ति का शव मिला है। मृतक की पहचान विनोबा वार्ड भग्गूढाना निवासी 50 वर्षीय मोहन रामराव लाड के रूप में हुई है। शव स्कूल के पास सडक़ किनारे पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान मिलने से अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। मृतक की पहचान उसकी जेब में मिले मोबाइल नंबरों की पर्ची से हुई। मोहनराम पेशे से पेंटर था। पुलिस को अभी तक ये पता नहीं चल पाया है कि वो पाढर कैसे पहुंचा। परिजनों को भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के बड़े पिता अस्पताल पहुंचे। उनकी मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नशे में युवक को होस पाईप से पीटा, मौत

बैतूल। मुलताई में एक व्यक्ति ने पत्नी से अवैध संबंध के शक एक 35 साल के युवक की होस पाइप से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना मुलताई थाना क्षेत्र के सावंगा गांव की है। थाना प्रभारी देवकरण डहेरिया ने बताया कि आरोपी दिनेश परिहार ने शनिवार रात तकरीबन 11 बजे हतनापुर निवासी रवि परिहार की पिटाई की। घटना के समय दिनेश शराब के नशे में था। पिटाई के बाद आरोपी ने खुद पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। परिजन घायल रवि को पहले मुलताई के सरकारी अस्पताल ले गए। वहां से डॉक्टरों ने उसे बैतूल रेफर कर दिया। रात करीब 2 बजे बैतूल अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने रवि को मृत घोषित कर दिया। मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। उसके हाथ, पीठ, पेट और पैरों पर पाइप से पीटने के निशान हैं। आरोपी ने उसे बेसुध होने तक पीटा। थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया ने बताया कि आरोपी दिनेश को शक था कि रवि का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है। इसी बात को लेकर शनिवार रात में इन दोनों का विवाद हुआ है। इसके बाद दिनेश ने रवि की जमकर पिटाई कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी दिनेश परिहार को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है, इसके बाद हत्या के कारणों का पूरी तरह से खुलासा हो पाएगा।

आमला विधायक डॉ. पंडाग्रे ने सीएससी की लिशिका को किया सम्मानित

बैतूल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने सीएससी आधार सेंटर ऑपरेटर सुश्री लिशिका चौधरी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। उल्लेखनीय है कि जिले मे संचालित सीएससी आधार सेवा केंद्र में ऑपरेटर सुश्री लिशिका केंद्र एवं राज्य सरकार की आधार अपडेट जैसी सेवाएं आमजनों को देती है। महिला सशक्तिकरण के तहत उन्हें यह सम्मान मिला है। सीएससी जिला प्रबंधक कमलेश रघुवंशी ने बताया कि सीएससी केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित अन्य सर्विसेस जैसे आधार केंद्र, बैंक कियोस्क,आयुष्मान कार्ड, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी, किसान लैंड ई- केवायसी, किसान कार्ड, टेली लॉ योजना, ई- डिस्ट्रिक्ट सेवाये, बैंकिंग सेवाएं, बीमा, बिजली बिल आदि सेवा प्रत्येक ग्राम एवं शहरी क्षेत्रों में प्रदान की जा रही है।

मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग का डामरीकरण प्रारंभ

लंबे संघर्ष के बाद बदलने लगी बीरूल मार्ग की तस्वीर,

बैतूल/मुलताई। मुलताई ब्लॉक में मुलताई, पिसाटा, बिरुल मार्ग का डामरीकरण प्रारंभ हो गया। लंबे समय से अधर में लटके मुलताई बीरूल मार्ग को लेकर नागरिकों का रोष एवं आंदोलन के बाद आखिरकार बीरूल मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण होने जा रहा है। शनिवार 8 मार्च से लोक

निर्माण विभाग के ठेकेदार द्वारा डामरीकरण कार्य प्रारंभ करने के बाद नागरिकों ने राहत की सांस ली है। आपको] यहां बता दे कि सामाजिक कार्यकर्ता जेडी पाटिल के नेतृत्व में ग्रामीण लंबे समय से मार्ग निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे, लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा के बाद यह आंदोलन समाप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप आज बीरूल मार्ग पूर्णता की ओर है। जेडी पाटिल ने बिरूल रोड का डामरीकरण प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह नागरिकों की जीत है।

आमलकी एकादशी व्रत अनुष्ठान पूजन समारोह आज

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में आमलकी एकादशी व्रत पूजन अनुष्ठान समारोह का आयोजन आज 10 मार्च सोमवार को दोपहर 3 बजे से तुलसी भवन विनोबा नगर बैतूल में आयोजित की जाएगी। पंडित नरेंद्र दुबे ने बताया कि आमलकी एकादशी व्रत पूजन अनुष्ठान करने से साधक को भगवान विष्णु की कृपा की प्राप्ति होती है। इस दिन तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु के निमित्त व्रत और पूजा पाठ करने से साधक को मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

अपने अधिकारों को जानें, समाज को अपराध मुक्त बनाएं: एसपी निश्चल झारिया

आदिवासी सामुदायिक मंगल भवन में आयोजित किया गया कार्यक्रम

बैतूल। समस्त आदिवासी समाज संगठन महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन गुरुद्वारा रोड स्थित आदिवासी सामुदायिक मंगल भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज की वरिष्ठ महिलाओं द्वारा दीप प्रज्वलन और महापुरुषों के छायाचित्रों पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद महिला अतिथियों का स्वागत हल्दी चावल का टीका लगाकर, पुष्प गुच्छ और भारतीय संविधान की प्रस्तावना के फोटो फ्रेम उपहार स्वरूप देकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता और रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। एमसीआई डांस टीम और खेड़ली डांस ग्रुप ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिससे कार्यक्रम और अधिक आकर्षक बन गया। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस की ओर से महिला दिवस के अवसर पर केक काटकर सभी महिला अतिथियों और उपस्थित नारीशक्ति को पौधे और बैग वितरित किए गए। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा और समाज में अपराध पर रोक लगाने के लिए सतर्क रहना होगा। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि गांव से शहर पढने आने वाले बच्चों पर ध्यान दें। उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रयास एक कोशिश कार्यक्रम का जिक्र करते हुए बताया कि इसके माध्यम से जनजातीय

क्षेत्रों के बच्चों को सही दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है।

आधुनिक खेती और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

कृषि विभाग में पदस्थ अलका धुर्वे ने महिलाओं को आधुनिक खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाएं नई तकनीकों को अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं और कृषि विभाग से संपर्क कर योजनाओं का लाभ ले सकती हैं। डीएसपी शिखा भलावी ने महिलाओं के अधिकारों और कानूनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही हैं और किसी भी परिस्थिति में पीछे हटने की आवश्यकता नहीं है। आदिवासी समाजसेवी राखी करोचे ने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है। वे समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक क्षेत्रों में बड़ी भूमिका निभा रही हैं।

महिलाओं को सशक्त और जागरूक होना जरूरी

डॉ. कृष्णा मौसिक ने कहा कि महिलाएं अपने घर-परिवार के साथ राष्ट्र की विकास धारा में तेजी से खुद को जोड़ रही हैं और हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। महिला नेत्री पुष्पा पेंदाम ने कहा कि महिलाओं को सशक्त और जागरूक होना जरूरी है, क्योंकि वे अब हर क्षेत्र में कार्य कर रही हैं और उनके लिए कुछ भी मुश्किल नहीं है। महिला समाजसेवी देवेश्वरी मरकाम ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित करना और सामाजिक बुराइयों को दूर करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं के योगदान और उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करना है।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर 'कुशवाहा मौर्य क्षत्रिय समाज सोहागपुर' जिला नर्मदापुरम द्वारा सोहागपुर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल जी के निज निवास पहुंच कर सोहागपुर मे किये जा रहे विकास के उत्कृष्ट कार्यों के लिए अभिनन्दन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री यशवंत पटेल जी,जिलाध्यक्ष कुशवाहा मौर्य क्षत्रिय समाज नर्मदापुरम श्री राजेश कुशवाहा (बाबूजी) वरिष्ठ संरक्षक श्री गोपाल शंकर मास्टर साब,संभागीय संयोजक श्री नर्मदा प्रसाद कुशवाहा,संभागीय उपाध्यक्ष श्री अशोक कुशवाहा, जिला सचिव राजेश मौर्य,जिला सहसचिव श्री अजय मौर्य उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय सांसद, विधायक के मुख्य आतिथ्य में उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण कार्य का भूमिपूजन

सुबह सवेरे सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम सौसारखेड़ा में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्यप्रदेश 15वे वित्त आयोग में स्वीकृत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्य योजना के अंतर्गत 65 लाख से स्वीकृत उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन सौसारखेड़ा के निर्माण कार्य का भूमिपूजन सांसद दर्शनसिंह के मुख्य आतिथ्य एवं क्षेत्रीय विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह की विशेष अतिथि पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने समारोह को संबोधित किया। इसके पूर्व मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन किया गया। इसी अवसर

पर हितग्राहियों को पट्टे भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता,भारी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। उक्त आश्य की जानकारी ब्लाक भाजपा अध्यक्ष अश्विनी सरोज ने इस प्रतिनिधि को दी।

डायरिया के मरीजों में आ रही है कमी, रविवार को मिले 22 डायरिया पीड़ित

जिला स्वास्थ्य केंद्र एवं पीएचई अधिकारियों ने की जांच, जल स्त्रोतों के लिए सैंपल

बैतूल/मुलताई। दूषित पेयजल के कारण मुलताई नगर मे महामारी बनी उल्टी दस्त की बीमारी अब नियंत्रित होने लगी है। 1 सप्ताह पूर्व जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन आने वाले डायरिया पीड़ित मरीजों की संख्या जहां 60 से 70 होती थी वही आज 9 मार्च को उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या 22 पाई गई है। जिला कलेक्टर के आदेश पर प्रभावित वार्डो के हालात पर नजर रख रहे और पानी के नमूने संग्रहित कर रहे पीएचई एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने नगर पालिका के जल स्त्रोत का सैंपल और जल स्त्रोतों की जांच के बाद पत्रकारों को बताया कि अब नल में आने वाला पेयजल पीने योग्य है। फिर भी सतर्कता बरत ने हेतु नागरिक पानी को उबालकर या पीने के पानी में क्लोरीन टैबलेट में मिलाकर पानी का सेवन कर सकते हैं। कार्यपालन यंत्री पीएचई मनोज बघेल ने बताया कि अच्छी बात यह है कि यहां डायरिया के मरीज में डायरिया बीमारी की तीव्रता अधिक नहीं देखी गई डायरिया के अधिक संख्या में मिल जरूर रहे थे किंतु जल्द ही ठीक होकर वापस भी हो रहे थे इसका मतलब यह है कि यहां लोगों की इम्यूनिटी रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी है। उन्होंने कहा कि सभी संभावित जल स्त्रोतों के सैंपल लिए गए हैं जिसमें से कुछ की रिपोर्ट पॉजिटिव प्राप्त हुई है और सोमवार तक सभी सैंपलों के नतीजे आ जाएंगे किंतु वर्तमान में हमारी टीम ने निरीक्षण में पाया है कि अब पहले की तुलना में स्थिति बेहतर

है और नलों से आने वाला पानी पीने योग्य सुरक्षित है।

डॉ जगदीश गोरे ने की डायरिया मरीजों की जांच-जिला कलेक्टर के आदेश पर जिला स्वास्थ्य केंद्र से मुलताई स्थिति का जायजा लेने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे चाइल्ड स्पेशलिस्ट जगदीश गोरे ने मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया एवं उल्टी दस्त से पीड़ित 22 मारीजो की जांच की उन्होंने डायरिया से पीड़ित बच्चों की भी जांच की साथ ही वह वार्डों में भी गए ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर एक समस्या अनेक- मुलताई नगर में डायरिया महामारी बनता जा रहा है। बीते दो सप्ताह में हजारों डायरिया उल्टी दस्त के मरीज मिले हैं और इस बीमारी से लडने के लिए एकमात्र डॉक्टर उपलब्ध है। डॉक्टर पंचम गुरु जो सतत मरीजों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं और दिन रात मरीज को अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं । इस संबंध में जिला स्वास्थ्य केंद्र से हालात का जायजा लेने आए डॉक्टर जगदीश गोरे से डॉक्टर कमी के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि फिलहाल बरखेड़ से एक डॉक्टर को मुलताई अस्पताल में पोस्टेड किया गया है और वह जिला स्वास्थ्य अधिकारी से डॉक्टर की कमी के संबंध में चर्चा करेंगे और डॉक्टरों की कमी को दूर किया जाएगा।

पीसीओएस के बचाव एवं रोकथाम पर विशेषज्ञों ने किया विचार-विमर्श

पीसीओएस विषय पर मध्यप्रदेश की प्रथम राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम) के प्रति जागरूकता बढ़ाने, बचाव के उपायों पर चर्चा करने, नीतिगत सुझाव पर विमर्श देने के उद्देश्य से कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) भोपाल में एक दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस हुई।

उल्लेखनीय है कि यह पीसीओएस विषय पर मध्यप्रदेश की प्रथम राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस है। कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, श्री संदीप यादव द्वारा किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, संचालक हेल्थ एवं स्टेट नोडल, प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी एंड इंफर्टिलिटी डॉ. रचना दुबे, पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया की प्रेसीडेंट डॉ. दुरु शाह तथा कानपुर की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीरा अग्निहोत्री विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

कॉन्फ्रेंस में पीसीओएस के बचाव एवं रोकथाम पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया, जिसमें विभिन्न चिकित्सा विधाओं के विशेषज्ञों ने सहभागिता की। डॉ. सलोनी सिडाना ने पीसीओएस के बचाव के लिये मध्यप्रदेश में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और इस दिशा में जनजागरूकता अभियानों एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

डॉ. रचना दुबे ने पीसीओएस में गट हेल्थ (आंतों के स्वास्थ्य) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारे गट में उपस्थित माइक्रोबायोम्स हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि यदि पीसीओएस से प्रभावित महिलाएं अपने आहार पर ध्यान दें और तले-भुने खाद्य पदार्थ, समोसे, कचौड़ी, वसायुक्त भोजन एवं शुगर का सेवन कम करें, तो इस स्थिति को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी।

पीसीओएस पर व्यापक चर्चा के तहत कई प्रमुख चिकित्सकों द्वारा महत्वपूर्ण सत्र लिए गए, जिनमें डॉ. कविता बापट, डॉ. अर्चना बसेर, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. पंकज अग्रवाल, डॉ. सुशील जिंदल, डॉ. सुनील मलिक, डॉ. संजय कुमार सहित अन्य विशेषज्ञ शामिल रहे।

जब नैतिक मूल्यों की गिरावट होती है, तो सख्ती से कानून की ओर जाना पड़ता है : मंत्री पटेल

माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में राज्य स्तरीय अलंकरण एवं देवलिया स्मृति एक देश-एक कानून विषय पर व्याख्यान

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि देवलिया जी के परिजनों का हृदय से आभार करता हूँ, क्योंकि उन्होंने उनकी स्वाध्याय की; लेखन की; शिक्षा,ज्ञान बांटने की परंपरा का, उनके मन में जो आत्मभाव था,उसे पारितोषक के रूप में इस आयोजन के रूप में सतत बनाए रखा है। मंत्री श्री पटेल आज भोपाल में माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय एवम शोध संस्थान में राज्य स्तरीय अलंकरण एवं देवलिया स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री श्री पटेल ने इस वर्ष के राज्य स्तरीय भुवनभूषण देवलिया पत्रकारिता सम्मान से वरिष्ठ पत्रकार राजेश पांडेय को उनकी सुदीर्घ पत्रकारिता के लिए प्रदान किया। समिति के इस 14वें वार्षिक आयोजन के अंतर्गत उन्हें सम्मान स्वरूप 11 हजार रुपए एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जब 'एक देश-एक कानून' की बात होती है, तो मेरा स्वयं का जो सार्वजनिक जीवन है, वो कम से कम चार दशक का है। उन्होंने कहा कि जो संविधान में लिखा हुआ है कि इस पर विचार करना चाहिए। मैं भी इस बात का हिमायती हूं कि संविधान आपको क्लिष्ट लग सकता है, लेकिन संविधान सभा की बहस; हमारे मन में जो प्रश्न पैदा होते हैं, इन प्रश्नों के उत्तर के समान है और रोचक भी है।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आत्मा की व्यवस्था है मोक्ष। इसे सरल तरीके से समझा जा सकता है। अगर हम 'एक देश-एक कानून' की बात करते हैं, तो ये समाज की व्यवस्था है। जब नैतिक मूल्यों की गिरावट होती है, तो हमें सख्ती से समाज की ओर जाना पड़ता है, कानून की ओर जाना पड़ता है। हम तो तीसरी सीढ़ी की शुरुआत कर रहे हैं।

व्याख्यान में मुख्य वक्ता पत्रकार प्रो. हर्षवर्धन त्रिपाठी, नई दिल्ली ने भी विचार व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने की। विषय प्रवर्तन वरिष्ठ पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के एडजंक्ट प्रोफेसर शिवकुमार विवेक थे। समारोह में मंच सूत्रधार वरिष्ठ पत्रकार, उद्घोषक एवं कला समीक्षक श्री विनय उपाध्याय, भुवनभूषण देवलिया स्मृति व्याख्यानमाला समिति के सदस्य एवं साहित्यकार श्री अशोक मनवानी और प्रबुद्धजन मौजूद थे।

राज्यपाल से मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

राज्यपाल पटेल से मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति जस्टिस सुश्रुत धर्माधिकारी ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

अमेरिका का हिंदी अध्ययन दल आज भोपाल में

भोपाल। न्यू जर्सी (अमेरिका) स्थित युवा हिंदी संस्थान और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के संयुक्त प्रयास से विकसित फुलब्राइट-हेस जी पी ए हिंदी पाठ्यक्रम निर्माण परियोजना का बीस सदस्यीय दल आज भोपाल के पाँच दिवसीय अध्ययन-दौरे पर आ रहा है। यह दल रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल की मेजबानी में आयोजित होने वाले 'भाषा संवाद' एवं विविध कार्यक्रमों में रचनात्मक भागीदारी करेगा।

उल्लेखनीय है कि रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलाधिपति संतोष चौबे और फुलब्राइट-हेस जी पी ए परियोजना के कार्यक्रम निदेशक अशोक ओझा के बीच पिछली भेंट के अवसर पर इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनी थी। डॉ. जवाहर कर्नावट, निदेशक, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र इन कार्यक्रमों के संयोजक हैं।

डॉ. कर्नावट ने बताया कि युवा हिंदी संस्थान और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी फुलब्राइट-हेस जी पी ए परियोजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि अमेरिकी भाषा शिक्षकों और वहाँ शिक्षक-प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति का औपचारिक ज्ञान प्राप्त हो, ताकि वे अमेरिका लौटकर उन सांस्कृतिक विषयों पर हिंदी में उत्कृष्ट पाठ्यक्रम तैयार कर सकें। इस परियोजना का लक्ष्य अमेरिकी भाषा शिक्षकों और विद्यार्थियों को भारत के विविध सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचित कराना भी है।

युवा हिंदी संस्थान अमेरिका के अध्यक्ष अशोक ओझा और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में हिंदी की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफ़ेसर गैब्रिएला निक इलेवा इस परियोजना के जनक हैं जिसका विषय हैः भारत की लोक संस्कृति में कहानी के विविध आयाम और ऐतिहासिक स्थापत्य स्थलों में मूर्ति कला द्वारा प्रस्तुत कहानियाँ।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा आयोजित भाषा संवाद में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के अलावा, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास-ऑस्टिन, मैकमिलन सेंटर, येल यूनिवर्सिटी , ड्यूक यूनिवर्सिटी यूएसए तथा मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के प्राध्यापक तथा विद्यार्थी शामिल हैं। भारत में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के साथ ही बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, तथा इंदिरा गांधी कला एवं सांस्कृतिक केंद्र दिल्ली भी परियोजना को सफल बनाने के लिए सहयोग कर रहे हैं। यह दल सांची, अजंता- एलोरा खजुराहो, वाराणसी- सारनाथ तथा दिल्ली का का शैक्षणिक भ्रमण भी करेगा।

इंदौर शहर को सिग्नल-लैस शहर बनाने की योजना पर कार्य

यातायात में एआई तकनीक का भी उपयोग

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग इंदौर को सिग्नल-लैस शहर बनाने की योजना पर कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य शहर में यातायात को निर्बाध रूप से संचालित करना है। योजना के तहत फ्लाई-ओवर, बाय-लेन, अंडर पास और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहल लागू की जा रही हैं। योजना के पूरा होने पर इंदौर शहर में नागरिकों का यात्रा समय कम होगा और ट्रैफिक सुचारु रहेगा। सिग्नल-लैस योजना तेजी से बढ़ते शहरी यातायात को सुविधाजनक बनाने और यात्रा समय को कम करने में मदद करेगी। ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग यातायात प्रबंधन को अधिक स्मॉर्ट और कुशल बनाने में भी किया जा रहा है। इस तकनीक से दुघर्टनाओं में कमी भी आयेगी।

शहरी लोक परिवहन- विभाग द्वारा प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 1330 बसों का संचालन शहरी मार्गों पर किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने की दृष्टि से पीएम ई-बस सेवा में 552 ई-बसों का प्रस्ताव केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय को भेजा गया है। बस डिपो अधोसंरचना के प्राक्कलन भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर के स्वीकृत किये गये हैं। इसी के साथ चार्जिंग अधोसंरचना के प्राक्कलन भोपाल, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर की स्वीकृत किये गये हैं। प्रदेश के 3 शहरों भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देने के लिये 217 ई-चार्जिंग अधोसंरचना विकास का कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है।

हीरापुर ग्राम पंचायत के सहायक सचिव को हटाने की मांग

ग्रामीणों ने विधायक घोड़ाडोंगरी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल। घोड़ाडोंगरी विधानसभा की ग्राम पंचायत हीरापुर के ग्रामीण पंचायत सहायक सचिव के तानाशाही रवैये और लचर कार्यप्रणाली से बेहद परेशान है। सहायक सचिव को हटाए जाने को लेकर विगत दिनों ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से भी मांग की, लेकिन सहायक सचिव को अब तक नहीं हटाया गया है। इससे ग्रामीण आक्रोशित है।

प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की सुनवाई नहीं करने पर ग्रामीणों ने घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा बाई उइके से मुलाकात की और ग्राम पंचायत में पदस्थ सहायक सचिव को हटाकर नए सहायक सचिव को नियुक्त किए जाने की गुहार लगाई है। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत हीरापुर के लगभग 7 गावों के ग्रामीण पंचायत में पदस्थ सहायक सचिव की कार्यशैली से बेहद परेशान है। परेशान ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत सह सचिव नारायण पिता युवराज सिसोदिया के पास अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचते है तो उनके द्वारा पैसों की मांग की जाती है। जो लोग पैसे दे देते हैं सिर्फ उन्हीं के काम होते है। इसके अलावा शासन के द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए कहते हैं, तो उनके द्वारा कार्य में हमेशा टालमटोली की जाती है। उनके द्वारा कभी पोर्टल ना चलने, तो कभी सर्वर डाउन बताने एवं कभी अपनी निजी समस्याओं को बताना जैसे निरंतर बहाने बनाते रहते हैं।

शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहे ग्रामीण- ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सचिव की लापरवाही से हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ भी नहीं ले पा रहे हैं। इसकी शिकायत पूर्व में सीएम हेल्पलाइन, जनपद पंचायत सदस्य द्वारा उच्च अधिकारियों को तथा मौखिक शिकायत मंडल अध्यक्ष को की, लेकिन इसके बाद भी सह सचिव अपनी कार्यशैली को नहीं बदल रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उक्त सचिव की उच्च अधिकारीयों से साठगांठ होने के कारण ट्रांसफर नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने सहायक सचिव का स्थानांतरण तत्काल कर अन्य सहायक सचिव को पदस्थ किए जाने की मांग की है, ताकि ग्राम वासियों की शासन की योजनाओं का लाभ और समस्याओं का समाधान हो सके।

बजट सत्र आज से, अध्यक्ष तोमर ने किया निरीक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च से आरंभ होकर 24 मार्चतक चलेगा। इस पद्रह दिवसीय सत्र में सदन की नौ बैठकें होंगी। विधानसभा के प्रमुख सचिव ए. पी. सिंह के अनुसार बजट सत्र की अधिसूचना जारी होने से अब तक विधानसभा सचिवालय में तारांकित पश्न 1448 एवं अतारांकित प्रश्न 1491 कुल 2939 प्रश्नों की सूचनाएं प्राप्त हई हैं। जबकि ध्यानाकर्षण की 118, स्थगन प्रस्ताव की 1, अशासकीय संकल्प की 24, शून्यकाल की 13 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का यह पंचम सत्र होगा। सत्र आरंभ होने के एक दिन पहले विधानसभा अध्?यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की तैयारियों का निरीक्षण किया।

इंदौर में 8 देशों की महिला पहलवानों ने दिखाए दांवपेंच

सीएम बोले-किसी खेल में पदक मिले न मिले, कुश्ती में मिलना पक्का है; साक्षी मलिक भी हुईं शामिल

इंदौर (नप्र)। इंदौर में महिला दिवस पर दलाल बाग में अंतरराष्ट्रीय महिला कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें देश-विदेश की 54 महिला पहलवानों ने हिस्सा लिया। पहलवानों ने परंपरागत और आधुनिक दांव-पेंच लगाएं। इस मौके पर ओलिम्पिक पदक विजेता साक्षी मलिक विशेष रूप से मौजूद रहीं। कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महिलाओं ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर यह आयोजन हुआ है। मैंने योजना बनाई है कि जैसे बाबा महाकाल का धाम है वैसे ही ओंकारेश्वर धाम जगमगाए, ऐसी हम योजना बना रहे हैं। मेरा ओंकारेश्वर जाने का कार्यक्रम बना। इससे पहले आकाश विजयवर्गीय से बात हुई। उन्होंने कहा कि आप यहां आओ, कुश्ती का बड़ा अच्छा कार्यक्रम है। सच में मुझे यहां आकर बड़ा अच्छा लगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलिम्पिक एशियाड और अन्य प्रतियोगिताओं में किसी अन्य खेलों में पुरस्कार मिले न मिले। लेकिन, कुश्ती में पदक मिलेगा यह पक्का है। आज हमारी बहन साक्षी मलिक हमारे बीच है उन्होंने दो-दो ओलिम्पिक मेडल लाईं। आज की यह कुश्ती मील का पत्थर साबित होगी। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्री तुलसी सिलावट के साथ छावनी पहुंचकर गर्म दूध का स्वाद लिया। इस दौरान दुकानदार ने पैसे न देने का आग्रह भी किया। लेकिन, मुख्यमंत्री ने दूध के रुपए दिए।

विजयवर्गीय बोले- मैंने गाड़ी भगाई और यहां आ गया

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मैं नीमच में भानपुरा के प्रवास पर था। मुझे पता चला कि मुख्यमंत्री जी आ रहे हैं। मैंने गाड़ी भगाई और यहां आ गया। मुख्यमंत्री जी खुद कुश्ती के शौकीन है। वे मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं।

अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत हुई स्पर्धा

कुश्ती प्रतियोगिता में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, मेक्सिको, न्यूजीलैंड, मंगोलिया और नेपाल के अलावा दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में इंदौर, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, महू, खातेगांव के अलावा दूसरे शहरों से महिला पहलवानों ने भाग लिया। कुश्ती की 27 प्रतियोगिताओं में कुल 54 महिला पहलवानों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में इंदौर की 15 महिला पहलवान शामिल हुईं थीं।

2 ट्रेनें निरस्त, 5 के बदले रूट

कटंगी खुर्द स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग काम; 8 से 11 मार्च तक कई ट्रेनें प्रभावित

भोपाल (नप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में कटंगी खुर्द स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते 8 से 11 मार्च 2025 तक ट्रेन परिचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से निरस्त करने और कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है।

निरस्त की गई ट्रेनें

22165 - भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस 8 मार्च 2025 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रही।

22166 - सिंगरौली-भोपाल एक्सप्रेस 11 मार्च 2025 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें

19414 - कोलकाता-अहमदाबाद एक्सप्रेस (8 मार्च 2025): गढ़वा रोड, सोन नगर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी मुड़वारा मार्ग से चलेगी।

03998 - नासिक-धनबाद एक्सप्रेस (9 मार्च 2025): कटनी साउथ, सतना, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, सोन नगर, गढ़वा रोड मार्ग से चलेगी।

18010 - अजमेर-संत्रागाछी एक्सप्रेस (9 मार्च 2025): कटनी मुड़वारा, सतना, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, सोन नगर, गढ़वा रोड मार्ग से चलेगी।

19608 - मदार जंक्शन-कोलकाता एक्सप्रेस (10 मार्च 2025): कटनी मुड़वारा, सतना, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, सोन नगर, गढ़वा रोड मार्ग से चलेगी।

13025 - हावड़ा-भोपाल एक्सप्रेस (10 मार्च 2025): गढ़वा रोड, सोन नगर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी मुड़वारा मार्ग से चलेगी।

मंदिरम् 54

चिंताला वेंकटरमण मंदिर

चिंताला वेंकटरमण मंदिर, जिसे चिंतालारायस्वामी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के एक शहर ताड़ीपत्री में स्थित एक हिंदू वैष्णव मंदिर है। यह मंदिर विष्णु के एक रूप वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे चिंताला वेंकटरमण के नाम से जाना जाता है। मंदिर का निर्माण पेम्मासानी नायक के पेम्मासानी तिम्मानायुडु द्वितीय द्वारा किया गया था। यह पेन्ना नदी के तट पर स्थित है, जो शहर से होकर बहती है। चिंताला वेंकटरमण मंदिर अपनी ग्रेनाइट मूर्तियों के लिए जाना जाता है और इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय महत्व के स्मारक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। मंदिर में एक गरुड़ मंडप है जिसे घूमते हुए ग्रेनाइट पहियों वाले रथ के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो हम्पी के विठला मंदिर में पाए जाने वाले गरुड़ मंडप के समान है। नतीजतन, मंदिर का नाम इमली के पेड़ के नाम पर रखा गया, क्योंकि 'चीन' का अर्थ इमली है। हर साल हज़ारों हिंदू भक्त यहाँ आते हैं। मंदिर का परिवेश, जो पेन्ना नदी के तट पर स्थित है, काफी भावपूर्ण है।

हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों पर हमला

हथियार लेकर आईसीयू में घुसे 30-40 लोग, 3 डॉक्टर्स को आईं चोटें

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में मरीज के परिजन ने डॉक्टर्स पर हमला कर दिया। मारपीट में तीन डॉक्टर को चोटें आई हैं, इनमें एक जूनियर डॉक्टर को सिर में चोट आई है। घटना शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे की है। अस्पताल के आईसीयू-3 में मरीज डॉली बाई की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इससे गुस्साए परिजन और वहां मौजूद भीड़ ने ऑन ड्यूटी डॉक्टरों पर हमला कर दिया। कुछ देर में हथियारों से लैस लोग आए और डॉक्टरों से मारपीट की। इस दौरान आईसीयू में 10 से ज्यादा डॉक्टर मौजूद थे। डॉक्टरों ने इस हमले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है और प्रशासन से सुरक्षा बढ़ाने की अपील की है। गांधी मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन आर.पी. कौशल ने बताया, एक गंभीर मरीज की मौत के बाद परिजन आईसीयू में घुस आए। डॉक्टरों के साथ मारपीट की। तीन डॉक्टर घायल हुए हैं, हालांकि उनकी चोटें गंभीर नहीं हैं। हमने तुरंत घटना की शिकायत कोहफिजा पुलिस से की है।

वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान: हमले के बाद अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने सुरक्षा

बढ़ाने की मांग की गई है। इस घटना से जुड़े दो वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि कुछ लोग डॉक्टरों पर हमला कर रहे हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस संदिग्धों की पहचान करने में जुटी हुई है।

ड्यूटी डॉक्टर्स ने सीएमओ को लिखा पत्र

ड्यूटी डॉक्टर्स ने सीएमओ हमीदिया को पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने बताया, हमीदिया अस्पताल में एक गंभीर घटना हुई है। आईसीयू में भर्ती मरीज डॉली बाई की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा हुआ।

जूडा की ये हैं मांगें

- अज्ञात लोगों के प्रवेश पर रोक लगे।
- अवैध एम्बुलेंस परिसर से बाहर हो।
- परिसर में सुरक्षा गार्ड्स की संख्या बढ़ाई जाए।
- हाई मास्ट लाइट लगाई जाएं।
- चारों तरफ बाउंड्रीवाल बनाकर उन पर कटीले तार लगाए जाएं।
- जूडा 18 सितंबर 2024 को पुलिस कमिश्नर को लिख चुका है सुरक्षा के संबंध में।
- जूडा 18 सितंबर 2024 को पुलिस कमिश्नर को लिख चुका है सुरक्षा के संबंध में।

मुख्यमंत्री से एनएसयूआई ने की सुरक्षा एजेंसी को ब्लेक लिस्ट करने मांग

एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि डॉक्टर समाज की सेवा में दिन-रात लगे रहते हैं, लेकिन यदि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, तो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। हमीदिया अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा एजेंसी की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। रवि ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से सुरक्षा एजेंसी को ब्लेक लिस्ट करने मांग की है। रवि परमार ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर जल्द कार्रवाई नहीं करती, तो एनएसयूआई प्रदेशव्यापी आंदोलन करने को मजबूर होगी उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि डॉक्टरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं।

म.प्र. का बजट सत्र आज से

1785 सवाल ऑनलाइन, 1154 ऑफलाइन लगाए 15 दिन के सत्र में 10 बैठक

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 10 मार्च यानी आज से शुरू हो रहा है। सत्र के लिए विधायकों ने 2939 सवाल लगाए हैं। विधानसभा सचिवालय को 1785 सवाल ऑनलाइन मिले हैं जबकि 1154

प्रश्न ऑफलाइन लगाए गए हैं। बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल का अभिभाषण होगा। 11 मार्च को प्रश्नकाल के बाद दूसरा सप्लीमेंट्री बजट पेश किया जाएगा। 11 मार्च को ही आर्थिक सर्वेक्षण आएगा। इसके बाद राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी। 12 मार्च को साल 2024-25 का बजट पेश किया जाएगा। 13 मार्च को प्रश्नकाल के बाद राज्यपाल के अभिभाषण और बजट पर चर्चा होगी।

15 दिन का सत्र, 5 दिन छुट्टी रहेगी: बजट के अगले दिन चर्चा होने के बाद 14 मार्च को होली की छुट्टी रहेगी। 15 मार्च को शनिवार और 16 मार्च को रविवार का अवकाश होगा। 17 मार्च को प्रश्नकाल के बाद दूसरे सप्लीमेंट्री बजट को मतदान कराकर पारित कराया जाएगा। 18 मार्च को प्रश्नकाल, मांगों पर मतदान होगा। 19 मार्च को रंगपंचमी की छुट्?टी रहेगी। 20 मार्च को प्रश्नकाल के बाद मांगों पर मतदान और बजट पर चर्चा होगी। 21 मार्च को प्रश्नकाल के बाद बजट पर चर्चा कराकर पारित किया जाएगा। इसके बाद अशासकीय संकल्प और विधेयक पेश किए जाएंगे। 22 और 23 मार्च को अवकाश के बाद 24 मार्च को प्रश्नकाल के बाद अन्य शासकीय काम होंगे और विधानसभा का सत्र खत्म हो जाएगा।

सौरभ शर्मा, करप्शन, लाड़ली बहना बनेंगे मुद्दे: बजट सत्र में विपक्ष आरटीओ के करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा, कपास और धान उपार्जन में घोटाला, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, लाड़ली बहना योजना की राशि न बढ़ाए जाने जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरेगा। वहीं, बीजेपी ने अपने विधायकों से कहा है कि वे आंकड़ों के साथ विधानसभा पहुंचें। किस योजना से उनके क्षेत्र और प्रदेश में क्या बदलाव आए, उसे सदन के पटल पर रखें। सीएम ने एक वर्चुअल मीटिंग में विधायकों से कहा है कि वे प्रश्न लगाने के साथ ही विषय की तैयारी करके विधानसभा में अपनी बात रखें। विपक्ष के झूठे आरोपों का तथ्यों के साथ जवाब दें।

4 लाख करोड़ से ज्यादा का हो सकता है बजट

12 मार्च को वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट विधानसभा में पेश होगा। इस बार का बजट 4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता वाली चार जातियों- गरीब, किसान, महिला एवं युवा पर फोकस रहेगा। खास बात ये है कि वर्ष 2028 में होने जा रहे सिंहस्थ के लिए विशेष बजटीय प्रावधान किए जाएंगे। सरकार पूंजीगत व्यय और बढ़ाकर 70 हजार करोड़ रुपए से अधिक कर सकती है।

15 लाख करोड़ तक राज्य सकल घरेलू उत्पाद: 11 मार्च को सरकार आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करेगी। इसमें साल 2024-25 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति, राज्य की विकास दर, प्रति व्यक्ति आय से लेकर विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों की स्थिति से अवगत कराया जाएगा।

दो बहनों समेत चार बच्चियां नहर में डूबीं

कटनी में नहाने के दौरान हादसा, एक को बचाया; दो के शव मिले, एक लापता

कटनी (नप्र)। कटनी में नहर में नहाने गईं चार बच्चियां डूब गईं। एक बच्ची को वहां मौजूद ग्रामीण ने बचा लिया। बाकी तीनों गहरे पानी में डूब गईं। दो बच्चियों के शव को पुलिस और होमगार्ड ने रेस्क्यू कर लिया है। वहीं तीसरी बच्ची की तलाश में रेस्क्यू टीम जुटी हुई है। घटना उमरियापान थाना क्षेत्र के परसवा गांव में रविवार दोपहर की है। चारों बच्चियां बरगी दाईं तट पर नहाने पहुंची थी। बच्चियां नहर में नहा रही थी। देखते ही देखते गहरे पानी में डूबने लगी। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम तीसरी बच्ची की तलाश में जुटी है। उसका पता नहीं चल पाया है।

एक बच्ची को ग्रामीण ने बचाया

दरअसल, सिद्धिका (12) और मानवी (8) पिता मनोज लोधी, अंशिका (13) पिता बसंत पटेल और अनन्या (12) पिता अजय पटेल निवासी परसवारा नहर में नहाने गई थीं। जहां पर नहाते वक्त सिद्धिका, मानवी और अंशिका नहर में डूब गईं। वहीं अनन्या को एक ग्रामीण ने बचा लिया।

अब तक नहीं मिला मानवी का शव

घटना की सूचना पर पुलिस और होमगार्ड की टीम रेस्क्यू करने पहुंची। टीम ने सिद्धिका और अंशिका के शव को बाहर निकाल लिया। वहीं मानवी का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। रेस्क्यू टीम उसकी तलाश में जुटी है।

दो बहनों के पिता मुंबई में मजदूरी करते हैं

सिद्धिका (12) सातवीं और मानवी (8) कक्षा तीसरी की छात्रा थी। उसका एक 4 साल का छोटा भाई है। दोनों के पिता मनोज लोधी मुंबई में वहीं मजदूरी करते हैं। मां घर में थी। जबकि अंशिका पिता बसंत पटेल (13) 9वीं और अनन्या पिता अजय पटेल (12) 6वीं में पढ़ती है।

सीहोर में दो नाबालिग लड़कियां लापता, पुलिस ने 6 घंटे में ढूंढा

दोनों 7 और 13 साल की बच्चीं साइकिल से घूमने निकली थी

सीहोर (नप्र)। सीहोर के अहमदपुर थाना क्षेत्र में दो नाबालिग बच्चियों के लापता होने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें सकुशल बरामद कर लिया है। 8 मार्च की शाम को साइकिल से घूमने निकलीं, 7 और 13 साल की ये बच्चियां देर रात तक घर नहीं लौटी थीं।

साइकिल खेत में मिली, परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट: बच्चियों की साइकिल पास के एक खेत में मिली थी, जिसके बाद परिजनों ने 9 मार्च को अहमदपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस को रात 1-2 बजे के करीब इस घटना की सूचना मिली। मामले की गंभीरता को देखते एक टीम का गठन किया गया। जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी और मुखबिर तंत्र की मदद से दोनों बच्चियों को सकुशल ढूंढ निकाला और उन्हें उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की ग्रामीणों और परिजनों ने सराहना की है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

प्रदेश में तापमान फिर 36 डिग्री पार, रातें ठंडी

इंदौर, उज्जैन-जबलपुर संभाग में बढ़ी गर्मी; 15 मार्च तक तेवर तीखे होंगे

भोपाल (नप्र)। बर्फीली हवाओं का असर घटते ही गर्मी के तेवर तीखे होने लगे हैं। मध्यप्रदेश में दिन का पारा 36 डिग्री के पार पहुंच गया है। इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग में गर्मी बढ़ी है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक, 15 मार्च के बाद सूरज के तेवर और तीखे होने लगेंगे। उत्तरी हवा चलने से प्रदेश में पिछले चार दिन कड़ाके की ठंड पड़ी। इससे भोपाल समेत कई शहरों में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। कई शहर में शीतलहर चली, जबकि रात का पारा 6 डिग्री तक पहुंच गया। राजगढ़, शाजापुर, उमरिया, मंडला, नौगांव और मलाजखंड जैसे छोटे शहर सबसे ठंडे रहे, लेकिन एक ही दिन में पारे में खाली बढ़ोतरी हुई है।

भोपाल में रात का पारा 5.9 डिग्री बढ़ा

शुक्रवार-शनिवार की रात की बात करें तो प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारे में बढ़ोतरी हुई। भोपाल में 5.9 डिग्री की बढ़ोतरी के बाद तापमान 16.4 डिग्री पहुंच गया। बैतूल, धार, गुना, ग्वालियर, नर्मदापुरम, इंदौर, खंडवा, खरगोन, पचमढ़ी, राजगढ़, रतलाम, उज्जैन, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, नौगांव, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, सीधी, टीकमगढ़, उमरिया और मलाजखंड में भी पारा बढ़ गया शनिवार को दिन के तापमान भी बढ़ गया। नर्मदापुरम में 36.9 डिग्री, रतलाम में 36.2 डिग्री, धार, सिवनी-मंडला में पारा 35 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 32.8 डिग्री, इंदौर में 33.8 डिग्री, ग्वालियर में 32.5 डिग्री, उज्जैन में 34.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 33.2 डिग्री रहा।

कही-सुनी

भाजपा नेताओं के अच्छे दिन आएंगे अप्रैल में?

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कहा जा रहा है कि अप्रैल महीने में भाजपा के कई नेताओं के अच्छे दिन आ सकते हैं। कुछ को विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है, तो कुछ को निगम-मंडलों की कुर्सी। सरकार और संगठन अब तक चुनावों का हवाला देकर नेताओं को रोके रखा था। लोकसभा के बाद नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव भी निपट गए। सभी जगह कमल खिल गए हैं। विधानसभा का बजट सत्र भी 24 मार्च तक निपट जाएगा। ऐसे में पद के इच्छुक नेताओं के सब्र का बांध टूटने की कगार पर आ गया है। कहा जाता है कि निगम-मंडल की कुर्सी के लिए मोटे तौर पर फार्मूला बन गया है और कुछ नामों पर सहमति भी बन गई है। बताते हैं सबसे ज्यादा दिक्कत मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर है। मंत्री के दो पद खाली हैं और दावेदार कई हैं। याने एक अनार सौ बीमार वाली कहावत है। चर्चा है कुछ मंत्रियों को ड्राप किया जा सकता है। बताते हैं विधानसभा के बजट सत्र में कुछ मंत्रियों के परफॉर्मेंस से सरकार की छवि पर असर पड़ा है। मंत्रिमंडल विस्तार में नए और पुराने चेहरे का भी खेल भी चल रहा है। इन सबके बीच माना जा रहा है कि अप्रैल में कुछ लोगों का तो भला हो ही जाएगा। चर्चा है कि 24 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और 30 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छत्तीसगढ़ यात्रा के बाद सरकार और संगठन पद बांटने के काम में जुटेगा।

अजय चंद्राकर के आक्रामक तेवर के मायने

भाजपा के कद्दावर नेता, पूर्व मंत्री और कुरुद के विधायक अजय चंद्राकर विधानसभा के बजट सत्र में अपनी ही सरकार पर हमलावर बने हुए हैं। अजय चंद्राकर के निशाने पर सबसे ज्यादा स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल और राजस्वमंत्री टंकराम वर्मा हैं। सदन में अजय चंद्राकर की आक्रामक शैली चर्चा में है। कहा जाने लगा है कि अजय चंद्राकर विपक्ष का काम हल्का कर दे रहे हैं। डॉ रमनसिंह मंत्रिमंडल में अजय चंद्राकर सालों मंत्री रहे हैं, उनके पास स्वास्थ्य रहा है। वे स्वास्थ्य के नस-नस से वाकिफ हैं और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते उनके अपने लिंक भी हैं। वैसे स्वास्थ्य मंत्री तो अमर अग्रवाल भी रहे हैं। अजय चंद्राकर की स्वास्थ्य विभाग में दिलचस्पी सुर्खियां बटोर रही है। चर्चा यह भी है कि जब विकेट गिरेगा, तभी अजय चंद्राकर को बैटिंग का मौका मिलेगा। अजय चंद्राकर और टंकराम वर्मा एक ही वर्ग से, एक ही संभाग से हैं। अब देखते हैं अजय चंद्राकर अपनी तूफानी गेंदबाजी से किसी को आउट कर अपनी जगह बना पाते हैं या नहीं।

चौंकाने वाले काम के लिए मशहूर ओपी

ओपी चौधरी ने कलेक्टरी छोड़कर राजनीति में प्रवेश कर सबको चौंका दिया था। अजीत जोगी को छोड़ दें, तो आमतौर पर कलेक्टरी का आनंद छोड़कर आईएएस राजनीति में नहीं आते। राजनीति को रिटायरमेंट प्लान के रूप में अपनाते हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने इस बार सौ पेज का बजट भाषण लिखकर सबको चौंका दिया। शायद ही कोई वित्त मंत्री अपना बजट भाषण लिखा हो, वह भी कंप्यूटर के युग में। जब लोग हाथ से लिखना भूलते जा रहे हैं, ऐसे में ओपी चौधरी का सौ पेज भाषण लिखना अपने-आप में रिकार्ड तो है ही। पहली बार के विधायक और राजनीति के नए खिलाड़ी ओपी चौधरी को वित्त जैसा विभाग मिलना भी दिग्गजों के लिए दांतों तले अंगुली दबाने जैसा रहा। ओपी चौधरी ने राज्य के बजट को 'ज्ञान' से 'गति' की ओर मोड़कर विपक्ष को सिर खुजाने को मजबूर कर दिया है।

ईओडब्ल्यू के दरवाजे आईएएस

कहते हैं दवाई घोटाले में ईओडब्ल्यू ने राज्य के दो आईएएस अफसरों को तलब कर घंटों पूछताछ की। बताते हैं सीजीएमएससी द्वारा दवाई खरीदी मामले में ईओडब्ल्यू ने दोनों आईएएस से अलग-अलग पूछताछ की। बताते हैं एक आईएएस को सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक बैठाए रखा और उनसे करीब 90 सवाल पूछे। इस मामले में कुछ और आईएएस को पूछताछ के लिए बुलाए जाने की खबर है। बताते हैं छत्तीसगढ़ में यह पहली दफा हुआ कि जब ईओडब्ल्यू ने दो आईएएस को कटघरे में रखा। कांग्रेस राज में एक आईएएस के खिलाफ ईओडब्ल्यू में मामला गया था, पर उन्हें पूछताछ के लिए कार्यालय नहीं बुलाया गया था। दोनों आईएएस की ईओडब्ल्यू दफ्तर में हाजिरी चर्चा में है।

अभिजीत सिंह को पुरस्कार

छह महीने में ही कांकेर कलेक्टर के पद से हटाए गए 2012 बैच के आईएएस अभिजीत सिंह को राज्य सरकार ने दुर्ग जिले का कलेक्टर बना दिया है। इस पोस्टिंग को उन्हें पुरस्कार के तौर पर देखा जा रहा है। बताते हैं लोकसभा चुनाव में कांकेर कलेक्टर की भूमिका को लेकर साय सरकार खुश नहीं थी और आचार संहिता खत्म होते ही अभिजीत सिंह को कांकेर कलेक्टर के पद से हटाकर मंत्रालय में पदस्थ कर दिया। करीब 10 महीने बाद मंत्रालय से हटाकर उन्हें फिर फील्ड की पोस्टिंग दे दी गई। अभिजीत सिंह को नियम-कानून के आधार पर चलने वाला अफसर माना जाता है। अभिजीत सिंह की पोस्टिंग को राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव में घोषणा पत्र बनाने वाले दुर्ग के सांसद विजय बघेल का इन दिनों सरकार के साथ सुर -ताल मैच नहीं कर रहा है। अब देखते हैं अभिजीत सिंह राजनीति और प्रशासन में किस तरह तालमेल बैठाते हैं।

नक्सलियों की कमर तोड़ने की रणनीति

राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार बनने के बाद लगातार नक्सली मारे जा रहे हैं और पुलिस को सफलता मिलती जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक राज्य को नक्सल मुक्त करने की ठानी है। कहते हैं राज्य की साय सरकार ने नक्सलियों की कमर तोड़ने के लिए उन पर आर्थिक प्रहार भी शुरू कर दिया है। बताते हैं इस साल पूरे बस्तर संभाग में तेंदूपत्ते की तुड़ाई का काम वन विभाग करेगा। तेंदूपत्ते के संग्रहण का काम ठेके पर नहीं दिया गया है। कहा जाता है कि नक्सली तेंदूपत्ता का शांतिपूर्ण संग्रहण के एवज में ठेकेदारों से भारी मात्रा में वसूली करते थे। यह नक्सलियों का बड़ा आर्थिक स्रोत होता था। सरकार ने नक्सलियों का आर्थिक स्रोत ही बंद करने का फैसला कर लिया। राज्य में 15 अप्रैल से 15 जून के बीच तेंदूपत्ता संग्रहण का काम होता है। बस्तर संभाग में तेंदूपत्ता की तुड़ाई पहले शुरू हो जाती है। माना जा रहा है कि बस्तर इलाके में इस बार सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को काफी नुकसान पहुंचा दिया हैं। इस कारण नक्सली कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं।

कांग्रेस का वार खाली

कहते हैं कांग्रेस ईडी दफ्तर का घेराव कर शक्ति प्रदर्शन करना चाहती थी, लेकिन कामयाब नहीं हो सकी। कुछ करने से पहले ही पुलिस ने कांग्रेस के वार को भोथरा कर दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने धरना दिया। बताते हैं धरने में भी कांग्रेसियों का अंतरकलह दिखने लगा। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बाजू में कुछ दिनों पहले कांग्रेस में वापसी किए एक नेता के बैठने से बड़े नेता नाराज हो गए और वे जमीन पर बैठ गए। अब कांग्रेस के नेता एकजुट हुए बिना संघर्ष किस तरह कर पाएंगे। यह चर्चा का विषय है।